Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 343
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 18 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 यूनेस्को मुख्यालय में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर... 4 जब मन लौटने को कहे, क्या हर वापसी ... 7 आईपीएल नीलामी : पिता की दुकान बिकी ...

संक्षिप्त न्यूज

ईडी की छवि धूमिल हो गई, नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर शिवकुमार ने साधा निशाना

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेशनल हेराल्ड की स्थापना की थी और यह देश का गौरव है। बेलगावी में विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड देश का गौरव है, जिसकी स्थापना जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान की थी। मेरा सिर्फ एक ही सवाल हैः मुझे अभी तक एफआईआर की प्रति क्यों नहीं दी गई है? आज प्रवर्तन निदेशालय की छवि धूमिल हो गई है।

कर्नाटक कांग्रेस नेताओं ने बेलगावी के सुवर्ण सौधा स्थित गांधी प्रतिमा के पास नेशनल हेराल्ड मामले और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलकर वीबी-जी राम जी रखने के फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में एमजीएनआरईजीए का नाम बदलने के केंद्र के कदम पर भी जोर दिया गया, जिसमें कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर महात्मा गांधी की विरासत को कमजोर करने और एक ऐतिहासिक कल्याणकारी योजना को कमतर आंकने का आरोप लगाया। कर्नाटक के मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रपिता हैं और उन्होंने एमजीएनआरईजीए को एक सफल कार्यक्रम बताया जिसने पूरे ग्रामीण भारत में स्थानीय रोजगार सृजित किया।

महात्मा गांधी राष्ट्रपिता हैं। यह एक सफल कार्यक्रम था जिसने स्थानीय रोजगार प्रदान किया, जिसकी शुरुआत मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में हुई थी। भाजपा इसे पचा नहीं पाई और उसने इसका नाम बदल दिया।

राष्ट्रपति भवन में 'परम वीर दीर्घा' का उद्घाटन, 21 परमवीर चक्र विजेताओं की लगाई गई तस्वीर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को विजय दिवस के मौके पर राष्ट्रपति भवन में 'परम वीर दीर्घा' का उद्घाटन किया। इसके साथ ही इस गलियारे में अब देश के वीर सपूतों की तस्वीरें लगाई गई। इस गैलरी में लगाई गई सभी तस्वीरें 21 परम वीर चक्र विजेताओं की हैं। गैलरी का मकसद यहां आने वाले मेहमानों को देश के नायकों के बारे में जानकारी देना है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अदम्य साहस का प्रदर्शन किया है।

राष्ट्रपति भवन की जिस गैलरी में 'परम वीर दीर्घा' बनाई गई है, वहां पहले ब्रिटिश एडीसी की तस्वीरें लगी हुई थी। इसको लेकर राष्ट्रपति भवन की ओर से कहा गया 'भारतीय राष्ट्रीय नायकों के चित्र प्रदर्शित करने की यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता को छोड़ने और भारत की संस्कृति, विरासत व परंपराओं को गर्व के साथ अपनाने की दिशा में सार्थक कदम है।

इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'राष्ट्रपति भवन की परम वीर दीर्घा में देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि हैं। जिन वीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की, जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन दिया... उनके प्रति देश ने एक और रूप में अपनी कृतज्ञता अर्पित की है। देश के परमवीरों की इस दीर्घा को, दो परमवीर चक्र विजेताओं और अन्य विजेताओं के परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्र को अर्पित किया जाना और भी विशेष है।'

भारत का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान-परम वीर चक्र

बता दें कि परम वीर चक्र भारत का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान है, जो युद्ध के दौरान वीरता, साहस और आत्म-बलिदान के असाधारण कार्यों के लिए दिया जाता है। राष्ट्रपति भवन की इस गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे थे। अब उनके स्थान पर, देश के परमवीर विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं। इससे कुछ साल पहले भी सरकार ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कई द्वीपों के नाम भी परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे हैं।

नई सरकार बनने के बाद पहली बार बोधगया पहुंचे सीएम नीतीश, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को बोधगया के महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्हें विकास पुरुष के नाम से जाना जाता है, महाबोधि मंदिर पहुंचे। बिहार में नई सरकार बनने के बाद यह उनकी पहली यात्रा है। उन्होंने बिहार में शांति और विकास के लिए प्रार्थना की। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य ने आगे बताया कि उन्होंने बोधि वृक्ष के समक्ष पूजा में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के संदेश को भुलाया नहीं जा सकता क्योंकि विश्व भर में शांति और उनके संदेश की आवश्यकता है।

इससे पहले मंगलवार को नीतीश कुमार ने बिहार में लागू होने वाले 7 निश्चय-3 कार्यक्रम की घोषणा की। यह इस कार्यक्रम की तीसरी कड़ी है। 7 निश्चय योजना की पहली किस्त 2015 से 2020 के बीच पूरी हुई, और 7 निश्चय-2 योजना 2020 से 2025 के बीच पूरी हुई। बिहार के मुख्यमंत्री ने इस संबंध में लिखा, '24 नवंबर, 2005 को हमारी सरकार के गठन के बाद से, राज्य में कानून का शासन रहा है, और लगातार 20 वर्षों तक सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास के लिए काम किया गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में सुशासन के तहत 7 निश्चय (2015-2020) और 7

निश्चय-2 (2020-2025) कार्यक्रमों में न्यायपूर्ण विकास से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने के बाद, अब बिहार को सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए 7 निश्चय-3 कार्यक्रम को लागू करने का निर्णय लिया गया है।'

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर बोला हमला

राजनीति में सबसे भ्रष्ट परिवार गांधी परिवार है'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को चल रहे नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए दावा किया कि परिवार ने कथित तौर पर 2, 000 करोड़ रुपये की संपत्ति का गबन किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में सोनिया और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मामले पर मीडिया को संबोधित किया। इस पर चर्चा करने से पहले, कल सुनाए गए अदालत के फैसले पर गौर करना जरूरी है। यह सवाल उठता है कि क्या यह फैसला वाकई ठोस है या सिर्फ तकनीकी पहलुओं पर आधारित है, खासकर गांधी परिवार की लंबे समय से चली आ रही धोखेबाजी और राजनीतिक दुष्प्रचार पर निर्भरता को देखते हुए।

भाटिया ने कहा कि अगर राजनीति में कोई सबसे भ्रष्ट है, तो वह झूठा गांधी परिवार है। सोनिया, राहुल और रॉबर्ट वाड्रा धारा 420 के तहत मामले में जमानत पर रिहा हैं। उन्होंने आगे कहा कि 12 जून, 2016 समेत कई बार अदालत का रुख करने के बावजूद राहुल गांधी और सोनिया गांधी को कोई मुआवजा नहीं मिला। इन व्यक्तियों ने उच्च न्यायालय का रुख किया लेकिन उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिला। इसमें कोई राजनीतिक दुर्भावना नहीं है; खरगे और मनु शिंगवी झूठ बोल रहे हैं। कानूनी मोर्चे पर, भाटिया ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) धन शोधन से संबंधित है।

तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में ओमान पहुंचे मोदी, द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होने की संभावना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को जॉर्डन और इथियोपिया की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद अपने चार दिवसीय तीन देशों के दौरे के अंतिम चरण के लिए ओमान पहुंचे। इससे पहले दिन में इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने प्रधानमंत्री मोदी को ओमान के लिए हवाई अड्डे तक स्वयं ले जाकर एक विशेष सम्मान दिया। ओमान के रवाना होने के बाद अबी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुझे उम्मीद है कि हमें फिर से मिलने का अवसर मिलेगा। हमारे देश ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनयिक संबंधों से हमेशा जुड़े रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी सुल्तान हैथम बिन तारिक के निमंत्रण पर ओमान की यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान, दोनों नेताओं द्वारा रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और वाणिज्यिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

ओमान की यह यात्रा भारत और ओमान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की

70वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है और दिसंबर 2023 में सुल्तान हैथम बिन तारिक की भारत की राजकीय यात्रा के बाद हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ओमान में रहने वाले भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे। खाड़ी देश की यह उनकी दूसरी यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों के लिए व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, कृषि और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी की व्यापक समीक्षा करने और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की इथियोपिया यात्रा, जो पूर्वी अफ्रीकी देश की उनकी पहली यात्रा थी, द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, क्योंकि भारत और इथियोपिया ने अपने दीर्घकालिक संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ऊंचा कर दिया। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के बीच व्यापक चर्चा हुई, जिसके बाद कई क्षेत्रों में अनेक समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। इन समझौतों में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा अभियानों के प्रशिक्षण में सहयोग, सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता और इथियोपिया के विदेश मंत्रालय में एक डेटा केंद्र की स्थापना शामिल थी।

दुश्मनों के लिए खौफ का दूसरा नाम है 'फ्लाइंग टैंक'

भारतीय सेना को अमेरिका से मिला तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों का अंतिम बैच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सेना को संयुक्त राज्य अमेरिका से तीन एएच-64ई अपाचे हमलावर हेलीकॉप्टरों का अंतिम जत्था प्राप्त हुआ, जिससे राजस्थान के जोधपुर स्थित 451 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन के लिए छह हेलीकॉप्टरों का पूरा बेड़ा तैयार हो गया। जानकारी के अनुसार, आधिकारिक तस्वीरें बुधवार सुबह जारी की जाएंगी। हेलीकॉप्टर गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर उतरे। तीन अपाचे हेलीकॉप्टरों का पहला जत्था लगभग 15 महीने की देरी के बाद जुलाई में भारत पहुंचा था। शेष तीन हेलीकॉप्टरों का तब से इंतजार किया जा रहा था, जिससे मार्च 2024 में गठित होने के बावजूद स्क्वाड्रन परिचालन में सीमित रहा। इससे पहले, खबरें थीं कि अंतिम जत्थे को भारत पहुंचने के बाद औपचारिक रूप से सेवा में शामिल करने से पहले असेंबल और निरीक्षण किया जाएगा।

एएच-64 ईअपाचे, जिसे इसकी भारी मारक क्षमता और उच्च मारक क्षमता के कारण अक्सर 'उड़ता टैंक' कहा जाता है, दुनिया के सबसे उन्नत

बहु-भूमिका लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से एक है। एरिज़ोना के मेसा में निर्मित, यह अमेरिकी सेना के आक्रमण बेड़े की रीढ़ है और भारत सहित कई सहयोगी देशों द्वारा इसका उपयोग किया जाता है। यह हेलीकॉप्टर हेलफायर मिसाइलों, 70 मिमी रॉकेटों और 30 मिमी चेन गन से लैस है, जो इसे दुश्मन के बख्तरबंद वाहनों, बंकरों और वायु रक्षा प्रणालियों को निष्क्रिय करने में सक्षम बनाता है। इसके उन्नत सेंसर, रात्रि-लड़ाई क्षमता और नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणाली इसे उच्च जोखिम वाले वातावरण और पहाड़ी इलाकों में अत्यधिक प्रभावी बनाती है।

2020 में अमेरिका के साथ हस्ताक्षरित 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते के तहत, सेना को मई या जून 2024 तक सभी छह अपाचे हेलीकॉप्टर मिलने थे। आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण डिलीवरी की समयसीमा को बाद में दिसंबर 2024 तक संशोधित किया गया। मूल रूप से, हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी तीन-तीन के दो बैचों में होनी थी, जिसमें पहले बैच की डिलीवरी मई और जून 2024 के बीच होने की उम्मीद थी। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने पहले देरी का कारण अमेरिकी पक्ष की तकनीकी समस्याओं को बताया था, जिसके कारण कई बार समयसीमा चूक गई।

पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट से नाम कटने पर टीएमसी सख्त, भवानिपुर में घर-घर जांच के निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के बाद सियासत तेज हो गई है। बता दें कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान करीब 54 से 58 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने से तृणमूल कांग्रेस नाराज़ है। इसी कड़ी में पार्टी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र भवानिपुर में हटाए गए मतदाताओं के नामों की फिर से घर-घर जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, भवानिपुर सीट से लगभग 45 हजार मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। एक समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पार्टी नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि किसी भी वैध मतदाता का नाम किसी भी हालत में नहीं कटना चाहिए और हर हटाए गए नाम का फिजिकल वेरिफिकेशन जरूरी है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया था। इस प्रक्रिया के बाद जारी ड्राफ्ट सूची में मौत, स्थानांतरण और अनुपस्थिति जैसे कारणों के आधार पर

लाखों नाम हटाए गए हैं।

टीएमसी ने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे सत्यापन और दावे-आपत्तियों की सुनवाई के दौरान प्रभावित मतदाताओं के साथ खड़े रहें। इसके साथ ही मोहल्ला स्तर पर 'मे आई हेल्प यू' कैंप जारी रखने को कहा गया है, ताकि दस्तावेज़, फॉर्म भरने और सुनवाई में लोगों को मदद मिल सके। जरूरत पड़ने पर स्वयंसेवकों को घर जाकर सहायता देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पहले चरण के बाद भवानिपुर, कोलकाता पोर्ट, बालीगंज और रासबिहारी जैसी हाई-प्रोफाइल सीटों से कुल मिलाकर करीब 2.16 लाख नाम हटाए गए हैं, जो इन सीटों के कुल मतदाताओं का लगभग एक चौथाई हैं। भवानिपुर एक घनी शहरी सीट है, जहां उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा से आए लोगों की बड़ी आबादी रहती है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में मतदाताओं को 'नो-मैपिंग' श्रेणी में भी रखा गया है, जिनकी सुनवाई प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। इसके अलावा करोड़ों मतदाताओं के विवरण की दोबारा जांच का काम जारी है, जिससे आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है और राज्य की राजनीति में हलचल और बढ़ने की संभावना हैं।

बंगाल की खाड़ी में नो फ्लाई जोन का ऐलान, कौन सा मिसाइल टेस्ट करने वाला है भारत

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर विशाखापत्तनम तट के पास बंगाल की खाड़ी में एक निर्दिष्ट क्षेत्र के लिए वायुसैनिकों को नोटिस (नोटिस) जारी किया है। यह अधिसूचना 22 दिसंबर से 24 दिसंबर तक प्रभावी रहेगी, जो इस अवधि के दौरान प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र को दर्शाती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अधिसूचित परीक्षण गलियारे की अनुमानित सीमा लगभग 3,240 किलोमीटर है, जो एक लंबी दूरी की रणनीतिक गतिविधि का संकेत देती है। नोटम जारी होने से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि भारत समुद्र आधारित मिसाइल परीक्षण की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इस गतिविधि में शामिल मिसाइल प्रणाली या प्रक्षेपण मंच के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सुरक्षा और समन्वय सुनिश्चित करने के लिए समुद्र में किए जाने वाले प्रमुख रणनीतिक परीक्षणों से पहले इस तरह की अधिसूचनाएं नियमित रूप से जारी की जाती हैं। इससे पहले 11 दिसंबर को, बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3,550 किलोमीटर के क्षेत्र के लिए 17 से 20 दिसंबर के बीच इसी तरह का नोटम जारी किया गया था।

NOTAM क्या है?

जब किसी विशिष्ट हवाई क्षेत्र को नागरिक हवाई यातायात से मुक्त करना आवश्यक होता है, तब NOTAM जारी किया जाता है। पाकिस्तान के साथ पहले के तनावों के दौरान भी इसी तरह के नोटिस जारी किए गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी यात्री विमान संभावित हवाई अभियानों के बीच न फंस जाए। यह वाणिज्यिक विमानों को सैन्य गतिविधि वाले क्षेत्रों से दूर रखकर नागरिक हताहतों को रोकने में सहायक होता है।

संजय सिंह ने उठाया लद्दाख आंदोलनकारियों की रिहाई का मुद्दा, बोले- लोकतंत्र का गला घोंटने की साजिश

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को राज्यसभा के शून्यकाल में लद्दाख में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और लोकतांत्रिक असहमति के दमन का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार पर संविधान, नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचलने का गंभीर आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन करने वालों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल में डालकर सरकार देश को अघोषित आपातकाल की ओर धकेल रही है।

संजय सिंह ने सदन में कहा कि सोनम वांगचुक जिन्होंने शिक्षा, सतत विकास और हिमालयी क्षेत्र में जलवायु संरक्षण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं, कोई अपराधी नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, शिक्षाविद और राष्ट्र के लिए सोचने वाले नागरिक हैं। जिन्होंने लद्दाख को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने हमेशा अहिंसक, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीकों से अपनी बात रखी, लेकिन

भाजपा सरकार ने उनकी आवाज़ को कुचलने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि सरकार अब सवाल पूछने वालों से डरने लगी है, इसलिए उन्हें जेल में डाल रही है।

उन्होंने बताया कि 24 सितंबर 2025 को लद्दाख में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान चार निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, 70 से अधिक लोग घायल हुए और 70 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से कई पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया गया। आज भी 10 से अधिक लोग जेल में बंद हैं। संजय सिंह ने कहा कि यह वही लद्दाख है जिसने 1948, 1962, 1971, 1999 के कारगिल युद्ध और 2020 के सीमा तनाव में देश के साथ चट्टान की तरह खड़े होकर राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया है।

उन्होंने सोनम वांगचुक की पत्नी द्वारा जताई गई आशंकाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जेल में उनकी जान को खतरे की बात, लगातार निगरानी और डर का माहौल बनाए जाने के आरोप बेहद गंभीर हैं।

आरोप हवा में तैरते रहे, कानून ने ज़मीन पर मज़बूती से अपना दबदबा बनाए रखा, सिंघवी ने ईडी-बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंहवी ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले को सत्ताधारी पार्टी द्वारा रची गई झूठी साजिश बताते हुए इसे 'केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग' का स्पष्ट उदाहरण बताया। मीडिया को संबोधित करते हुए सिंहवी ने कहा कि आरोप निराधार हैं और इस मामले में हालिया फैसले पर राजनीतिक सत्ता के दबाव का प्रभाव है। नेशनल हेराल्ड मामला केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का प्रमाण है। आरोप लगाए गए थे, लेकिन निराधार थे और इस मामले में सत्ता के दबाव का अंतिम प्रभाव कल के फैसले पर पड़ा। आरोप हवा में तैर रहे थे, लेकिन कानून दृढ़ता से जमीन पर कायम रहा।

सिंघवी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2021 और 2025 के बीच प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ सत्र आयोजित किए, जिनमें कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खर्गे से पांच घंटे और राहुल गांधी से तीन घंटे की पूछताछ शामिल थी। उन्होंने बताया कि इन पूछताछों की खबरें देश भर के अखबारों के पहले पन्नों पर व्यापक रूप से छपीं। कांग्रेस नेता ने दोहराया कि ऐसे मामले इस बात की याद दिलाते हैं कि केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग राजनीतिक विरोधियों पर दबाव डालने के लिए कैसे किया जा सकता है।

एक दिन पहले, उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले को 'राष्ट्रीय उत्पीड़न का मामला' करार दिया था और पार्टी नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और छह अन्य पर लगे मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का खंडन किया था।

शरद गुट को कांग्रेस से ज्यादा ठाकरे बंधुओं पर भरोसा; एनसीपी पर आखिरी फैसला लेंगे अजित पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) जनवरी 15 को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव अकेले लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन इस पर अंतिम फैसला पार्टी अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार करेंगे। यह जानकारी एनसीपी विधायक सना मलिक ने बुधवार को दी। एनसीपी फिलहाल सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भाजपा और शिवसेना भी शामिल हैं। हालांकि, भाजपा ने साफ कर दिया है कि जब तक पूर्व मंत्री नवाब मलिक एनसीपी की मुंबई चुनाव प्रबंधन समिति के प्रमुख बने रहेंगे, तब तक वह बीएमसी चुनाव के लिए एनसीपी से गठबंधन नहीं करेगी।

अंतिम निर्णय अजित पवार ही लेंगे- सना मलिक

सना मलिक, जो नवाब मलिक की बेटी हैं, ने कहा कि पार्टी के सामने दो रास्ते हैं, या तो बीएमसी चुनाव अकेले लड़े या फिर महायुति के सहयोगियों (भाजपा और शिवसेना) के साथ गठबंधन करे। उन्होंने कहा कि 227 सदस्यीय बीएमसी

चुनाव अकेले लड़ने की तैयारी पूरी है, लेकिन अंतिम निर्णय अजित पवार ही लेंगे। उन्होंने बताया कि महायुति के सहयोगियों ने सीधे तौर पर एनसीपी से संपर्क नहीं किया है, लेकिन उनके पिता नवाब मलिक की भूमिका को लेकर आपत्ति की बात सामने आई है। सना मलिक ने यह भी कहा कि चुनाव प्रबंधन समिति सिर्फ उनके पिता तक सीमित नहीं है, पार्टी में अन्य नेता भी फैसलों में शामिल होते हैं।

शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में कांग्रेस की बजाय शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के साथ गठबंधन करने की इच्छुक है। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। बुधवार को मुंबई में हुई बैठक में पार्टी की चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने की।

एनसीपी (एसपी), कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा हैं। हालांकि पार्टी के ज्यादातर कार्यकर्ताओं का मानना है कि सेना (यूबीटी) और मनसे के साथ गठबंधन करने से पार्टी को ज्यादा फायदा होगा। एक पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी ने करीब 50 सीटों की सूची तैयार की है। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) दोनों की ओर से गठबंधन का प्रस्ताव है। अंतिम फैसला तीन-चार दिनों में लिया जाएगा।

नगर निगम चुनावों से पहले महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका! MLC प्रज्ञा सातव भाजपा में हो सकती हैं शामिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लग सकता है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की एमएलसी प्रज्ञा सातव जल्द ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकती हैं। प्रज्ञा सातव दिवंगत वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राजीव सातव की पत्नी हैं। पति के निधन के बाद कांग्रेस पार्टी ने उन्हें एमएलसी बनाया था। उनके संभावित दल-बदल को महाराष्ट्र की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है और इससे नगर निगम चुनावों में कांग्रेस पार्टी की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने सोमवार को घोषणा की कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी, 2026 को एक ही चरण में होंगे। मतों की गिनती और परिणामों की घोषणा 16 जनवरी को की जाएगी।

गांधी परिवार के बेहद करीबी राजीव सातव का 2021 में कोविड संक्रमण

के कारण निधन हो गया। कांग्रेस नेता शरद रणपिसे के निधन से रिक्त हुई विधानसभा सीट को भरने के लिए 2021 में प्रज्ञा सातव निर्विरोध चुनी गईं। राजीव सातव 2014 से 2019 तक हिंगोली से सांसद रहे। 2019 के बाद कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा में मौका दिया। 2017 में कांग्रेस ने उन्हें गुजरात विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी। राजीव सातव ने कांग्रेस पार्टी के भीतर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई थी और वे राहुल गांधी के भरोसेमंद सहयोगियों में से एक माने जाते थे। प्रज्ञा सातव पहली बार 2021 में उपचुनाव में निर्विरोध चुनी गईं। बाद में, 2024 के चुनावों में, वे कांग्रेस की ओर से दूसरी बार विधानसभा के लिए चुनी गईं। उनका कार्यकाल 2030 तक वैध है।

मध्य रेल की 5 और ट्रेनों में तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण शुरू होगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेलवे चरणबद्ध तरीके से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए एक नई ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली लागू कर रहा है।

मध्य रेल की निम्नलिखित 5 और ट्रेनों में दिनांक 19.12.2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए नई ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली लागू होगी।

यह सुविधा दिनांक 19.12.2025 से निम्नलिखित ट्रेनों के लिए लागू की जाएगी।

1. 11029 सीएसएमटी - कोल्हापुर कोयना एक्सप्रेस
2. 11055 एलटीटी - गोंडा गोदान एक्सप्रेस
3. 11061 एलटीटी - जयनगर

एक्सप्रेस।4. 11025 पुणे - अमरावती एक्सप्रेस। 5. 12157 पुणे - सोलापुर हुतात्मा एक्सप्रेस।

यह नई ओ टी पी आधारित प्रणाली कम्प्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों, अधिकृत एजेंटों और ÷ंय़ऊण वेबसाइट/ऐप के माध्यम से बुक किए गए तत्काल टिकटों पर लागू होगी। इस प्रक्रिया के तहत, यात्रियों को बुकिंग के समय दिए गए मोबाइल नंबर पर एक वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) प्राप्त होगा। ओटीपी के सही सत्यापन के बाद ही तत्काल टिकट जारी किया जाएगा। इस उपाय का उद्देश्य पारदर्शिता को और मजबूत करना, दुरुपयोग को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि तत्काल कोटा बुकिंग का लाभ वास्तविक यात्रियों को ही मिले।

मध्य रेल यात्रियों से अनुरोध करता है कि असुविधा से बचने के लिए तत्काल बुकिंग के समय अपना मोबाइल नंबर सही ढंग से दर्ज करें।

मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण सप्ताह-2025' के उपलक्ष्य में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे बोर्ड एवं मुख्यालय के निर्देशानुसार मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण सप्ताह-2025' के उपलक्ष्य में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया

कार्यशाला में मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुनीलकुमार सुमन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने कार्यशाला को मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस कार्यशाला का आयोजन वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी, भुसावल डॉ.

श्रीमती विनिला मेट्टापल्ली की अध्यक्षता में मंडल कार्यालय के सभागृह 'वसुधरा' में किया गया। कार्यशाला में आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य श्री विजय खैची, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अधिकारी तथा श्रीमती कमल अत्राम, सहायक नर्सिंग अधिकारी, भुसावल उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित महिला कर्मचारियों के साथ विभिन्न विषयों एवं मुद्दों पर चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

कार्यशाला की प्रस्तावना श्री दिलीप खरात, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी द्वारा की गई। इस अवसर पर मंडल की सभी शाखाओं की महिला कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

कार्यशाला का संचालन एवं धन्यवाद प्रस्ताव श्री सुरेन्द्र हिवाले, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण), भुसावल द्वारा किया गया।

मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल ने सोलापुर यार्ड में 103 वर्ष पुराने आरओबी को न्यूनतम यात्री असुविधा के साथ ध्वस्त करने हेतु 13 घंटे 30 मिनट का ब्लॉक सफलतापूर्वक संपन्न किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल ने दिनांक 14.12.2025 को 13 घंटे 30 मिनट का विशेष यातायात ब्लॉक सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। यह ऑपरेशन सटीक योजना, विभिन्न विभागों के समन्वय तथा यात्रियों की सुरक्षा और सेवा की निरंतरता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा। सोलापुर मंडल ने 12 घंटे 45 मिनट में कार्य पूर्ण कर संपूर्ण सोलापुर यार्ड को सामान्य परिचालन हेतु खोल दिया। इस पहल की जानकारी जनप्रतिनिधियों, नगर आयुक्त, पुलिस आयुक्त तथा अन्य राज्य अधिकारियों सहित सभी प्रमुख हितधारकों को दी गई। आरओबी को शीघ्र ध्वस्त करने की आवश्यकता को देखते हुए राज्य सरकार के अधिकारियों ने सोलापुर मंडल को पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

विशेष यातायात ब्लॉक का विवरण

सोलापुर यार्ड में स्थित 19.7 मीटर लंबा, 103 वर्ष पुराना रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) ध्वस्त करने के लिए यह यातायात ब्लॉक लिया गया था, जो समय के साथ भारी वाहनों की आवाजाही के लिए असुरक्षित हो गया था। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भारतीय रेलवे के साथ निकट समन्वय में ध्वस्तीकरण कार्य किया, जिससे पूरे ऑपरेशन के दौरान महत्वपूर्ण रेलवे अवसंरचना की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

ब्लॉक के दौरान ओएचई प्रतिष्ठानों, विद्युत तारों, ट्रैक और पॉइंट्स सहित रेलवे संपत्ति की सुरक्षा हेतु व्यापक उपाय किए गए। ओएचई तारों को हटाने और पुनःस्थापित करने के लिए कुल 4 टॉवर वैगन/ओएचई निरीक्षण कारें तैनात की गईं। ट्रैक और पॉइंट्स को स्टील चैनल, रेत से भरी बोरियों और प्लाईवुड प्लैंकों से सावधानीपूर्वक ढंका गया, ताकि मलबा गिरने या मिट्टी हटाने वाली मशीनों की आवाजाही से कोई क्षति न हो। ध्वस्तीकरण पूर्ण होने के बाद सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए रेल यातायात बहाल किया गया।

आरओबी ध्वस्तीकरण में प्रयुक्त मशीनरी में 3 हाइड्रोलिक क्रेन (क्षमता 225 टन, 200 टन, 200 टन), 3 एक्स्केवेटर ब्रेकर, 4 जेसीबी, 2 बॉबकैट (मिनी एक्स्केवेटर), 2 लॉन्ग बूम एक्स्केवेटर, 3 हार्ड ब्रेकर, 3 ट्रैक्टर ब्रेकर तथा ट्रॉली सहित 4 ट्रैक्टर शामिल थे।

पुराने आरओबी को ध्वस्त करने की आवश्यकता

आरओबी की संरचना अपने सेवा-जीवन के अंतिम चरण में पहुंच चुकी थी।

वर्तमान स्थिति में 19.7 मीटर के इस ब्रिज के कारण सोलापुर रेलवे खंड पर 15 किमी/घंटा से अधिक गति संभव नहीं थी।

रेलवे और आरओबी के बीच सीमित ऊँचाई के कारण ट्रैक का अनुरक्षण मानकों के अनुरूप नहीं हो पा रहा था।

ओवरहेड ट्रैक्शन पावर लाइनों की सीमित क्लीयरेंस के कारण देश में आसानी से उपलब्ध न होने वाला विशेष इन्सुलेशन प्रदान करना पड़ा।

आणंद - गोधरा सेक्शन पर स्पीड बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा की गयी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

वडोदरा मंडल द्वारा आणंद -गोधरा सेक्शन पर ट्रेनों की अधिकतम अनुमत स्पीड को सफलतापूर्वक बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। इससे रेल खंड की सेक्शन कैपेसिटी बढ़ेगी और समय की बचत होने से यात्रियों का सफ़र अधिक आरामदायक होगा।

पश्चिम रेलवे के जनसम्पर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आणंद - गोधरा सेक्शन की कुल लंबाई 78 किलोमीटर है। सेक्शन पर यात्री यातायात शुरु होने पर अप लाइन पर स्पीड लिमिट लगाई गई थी। सेक्शन में स्पीड अपग्रेडेशन करने के लिए बैलास्ट प्रोफाइल में व्यवस्थित सुधार किया गया और साथ ही कुछ पुलों को और मजबूत किया गया। यह पहल वडोदरा मंडल की आधुनिक रखरखाव तरीकों को अपनाने और बेहतर परिचालन दक्षता के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। स्पीड अपग्रेडेशन से यात्रियों को इस महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर पर यात्रा के समय में कमी, ट्रेनों के सुचारू संचालन और सेवाओं की बेहतर विश्वसनीयता का लाभ मिलेगा। वडोदरा मंडल यात्रिओं को तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक रेल सेवाएं प्रदान करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर आधुनिकीकरण और सुरक्षा-उन्मुख कार्यों को जारी रखने के लिए प्रतिबध्द है।

किले जैसे राज्य-संरक्षित स्मारकों पर अतिक्रमण रोकने के लिए समिति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में किलों के लिए उठाए गए कदमों की तर्ज पर, राज्य-संरक्षित स्मारकों पर अतिक्रमण रोकने के लिए सांस्कृतिक मामलों के मंत्री की अध्यक्षता में एक समिति बनाने के फैसले को मंज़ूरी दी गई। इस फैसले के अनुसार, सांस्कृतिक मामलों के विभाग के 20 जनवरी, 2025 के पिछले सरकारी प्रस्ताव में किलों से अतिक्रमण हटाने से संबंधित प्रावधानों का दायरा बढ़ाकर इसमें राज्य-संरक्षित स्मारकों को भी शामिल किया गया है।

कैबिनेट ने राज्य के सभी किलों और राज्य-संरक्षित स्मारकों पर मौजूदा अतिक्रमणों को हटाने और भविष्य में होने वाले अतिक्रमणों को रोकने के लिए एक राज्य-स्तरीय समिति के गठन को मंज़ूरी दी है। सांस्कृतिक मामलों के मंत्री इस समिति के अध्यक्ष होंगे। सदस्यों में राजस्व, ग्रामीण विकास, पर्यटन, लोक निर्माण, वन, बंदरगाह और विकास मंत्री, साथ ही संबंधित विभागों के सचिव, प्रधान सचिव या अतिरिक्त मुख्य सचिव शामिल होंगे।

कैबिनेट ने राज्य-स्तरीय समिति में चार आमंत्रित सदस्यों और गठित होने वाली प्रत्येक जिला-स्तरीय समिति में चार गैर-सरकारी सदस्यों को शामिल करने को भी मंज़ूरी दी है। ये गैर-सरकारी सदस्य किलों और राज्य-संरक्षित स्मारकों के विशेषज्ञ होने चाहिए, या संरक्षण और परिरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम करने वाले व्यक्ति, संस्थान या स्वैच्छिक संगठन होने चाहिए।

जिला स्तर पर, किलों और राज्य-संरक्षित स्मारकों पर अतिक्रमणों को रोकने और हटाने की कार्रवाई संबंधित जिला कलेक्टरों द्वारा, संबंधित भूमि के मालिक विभागों के समन्वय से की जाएगी। इस उद्देश्य के लिए खर्च जिला योजना और विकास निधि से किया जा सकता है।

एक लाख का उधार हो गया 74 लाख, विदेश जाकर बेचनी पड़ी किडनी; कर्ज के जाल में कैसे फंसा किसान

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

महाराष्ट्र में किसानों की बदहाली की एक दिल दहला देने वाली तस्वीर सामने आई है। चंद्रपुर जिले के नागभीड तालुका के मिंथुर गांव में कर्ज के बोझ तले दबे एक युवा किसान ने साहूकारों का कर्ज चुकाने के लिए कंबोडिया जाकर अपनी किडनी बेच दी। यह मामला न सिर्फ अवैध साहूकारी की क्रूरता को उजागर करता है, बल्कि गरीब किसानों की गहरी कमजोरी को भी सामने लाता है।

पीड़ित किसान रोशन सदाशिव कुडे ने कुछ साल पहले दूध का कारोबार शुरू करने के लिए साहूकारों से एक लाख रुपये कर्ज लिया था। अत्यधिक ब्याज के चलते यही कर्ज बढ़कर 74 लाख रुपये हो गया। कारोबार में नुकसान, मवेशियों की मौत और फसलों के खराब होने से उसकी हालत और बिगड़ती चली गई। कर्ज चुकाने के लिए उसने दो एकड़ जमीन और घर का कीमती सामान भी बेच दिया, लेकिन साहूकारों का दबाव खत्म नहीं हुआ।

साहूकारों ने दी किडनी बेचने की सलाह

रोशन कुडे का आरोप है कि साहूकारों ने उस पर पूरा कर्ज चुकाने के लिए किडनी बेचने का दबाव बनाया। इसके बाद वह कोलकाता गया और वहां से कंबोडिया ले जाया गया। कंबोडिया में उसने करीब आठ लाख रुपये में अपना गुर्दा बेच दिया। किसान का कहना है कि यह कदम उसने मजबूरी में उठाया, क्योंकि साहूकार लगातार धमकी दे रहे थे और उसके पास कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा था।

पुलिस में शिकायत, नामजद आरोप

रोशन कुडे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उसने ब्रह्मपुर के साहूकार किशोर बावनकुले, मनीष कालबंदे, लक्ष्मण उर्कुडे, प्रदीप बावनकुले, संजय बल्लारपुरे और लक्ष्मण बोरकर के नाम लिए हैं। किसान ने आरोप लगाया है कि इन्हीं लोगों ने उसे किडनी बेचने के लिए मजबूर किया। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने अलग-अलग अधिकारियों की मीटिंग लेकर चुनाव से जुड़े काम का रिव्यू किया

अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों के नुमाइंदों के साथ खास मीटिंग करके चुनाव पर बातचीत की गई।

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

राज्य चुनाव कमीशन के ज़रिए नई मुंबई महानगरपालिका के यूनिवर्सल चुनाव 2025-26, तारीख 15 जनवरी 2026 को होने वाले आम चुनाव के लिए जनता से बात करने आए थे। उसी के हिसाब से महानगरपालिका कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने चुनाव से जुड़े महानगरपालिका के अधिकारी, पुलिस और दूसरे सभी अधिकारी और चुनाव कमीशन के ज़रिए डिप्टी कलेक्टर कैडर में चुनाव अधिकारी और तहसीलदार, नायब तहसीलदार को नियुक्त किया। चुनाव अधिकारी की खास मीटिंग में चुनाव का काम निष्पक्ष और ट्रांसपेरेंट तरीके से करने के लिए सभी को आपसी तालमेल से मिलकर भावना से काम करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर सुनील पवार और डॉ. राहुल गेठे, पुलिस कमिश्नर संजय येनपुरे, नामुम्पा चुनाव विभाग के डिप्टी कमिश्नर भगवत दोईफोडे और दूसरे अधिकारी मौजूद थे। पॉलिटिकल पार्टी के प्रतिनिधियों की एक खास मीटिंग से चुनाव के मामलों और आचार संहिता के नियमों के बारे में जानकारी फैलाई गई। नई मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फील्ड में अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टी के प्रतिनिधियों की खास मीटिंग कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने ली।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या 48/2025

निविदा सं. 8125WCRTP-2 जिसके खुलने की तिथि 08/01/2026 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. **EPS/110/2025** के तहत प्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए है–

Tender No. & short Description	Earnest Money (INR)	
8125WCRTP-02 Description : Manufacture एंड सप्लाई ऑफ CMS क्रासिंग 1 in 12,60 kg	Existing value	Modified value
EMD	5000000/-	2000000/-

अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट https://www.ireps.gov.in देखें

(हस्ता)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

यूनेस्को मुख्यालय में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करना गर्व की बात है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

राजदूत विशाल शर्मा ने यूनेस्को में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण के संबंध में मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा का यूनेस्को मुख्यालय में स्थापित होना एक गर्व का, ऐतिहासिक और विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण घटना है। उन्हें भारतीय संविधान के निर्माता, सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारा और मानवाधिकारों के वैश्विक प्रवक्ता के रूप में जाना जाता है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा यूनेस्को को इस नेक इरादे से भेंट की गई है कि बाबासाहेब का यह संदेश कि शिक्षा ही सफलता का माध्यम है, पूरी दुनिया में फैले।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा भारत के राजदूत और यूनेस्को, पेरिस में स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा ने यूनेस्को को भेंट की, जिन्होंने मंत्रालय में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें धन्यवाद दिया। शर्मा ने बताया कि भारत की 80 साल की सदस्यता में यह पहली बार है कि संयुक्त राष्ट्र में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल पर यूनेस्को में बाबासाहेब की प्रतिमा का अनावरण एक बहुत ही महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मामला है, और उन्होंने इस उल्लेखनीय कार्य के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस को बधाई दी।

केंद्र सरकार की ओर से, शर्मा ने 26 नवंबर 2025 को संविधान दिवस के अवसर पर यूनेस्को में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में यूनेस्को के महानिदेशक, 50 से अधिक देशों के राजदूत और यूनेस्को सचिवालय के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के संदेश पढ़े गए, जबकि मुख्यमंत्री फडणवीस ने वीडियो संदेश के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह राज्य और केंद्र सरकारों का एक प्रयास था कि बाबासाहेब के समानता के संदेश और शिक्षा के महत्व को दुनिया के युवाओं तक पहुंचाया जाए। इसके साथ ही, यह राज्य के लिए बहुत गर्व की बात है कि देश के 12 किले, जिनमें छत्रपति शिवाजी महाराज के 11 किले (एक तमिलनाडु में) शामिल हैं, उन्हें यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। सरकार का इरादा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मदिन पर शिवनेरी किले में इस नामांकन समारोह को भव्य तरीके से आयोजित किया जाए।

राज्य सरकार छत्रपति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। शिवनेरी में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर एक भव्य कार्यक्रम के माध्यम से उनका इतिहास अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाएगा। सुशासन के संदेश को छत्रपति शिवाजी महाराज के शाही आदर्श वाक्य, यानी 'लोगों के कल्याण के लिए राज्य' के विचार से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए। साथ ही, दीपावली को एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में शामिल करते समय, दिखावे के बजाय इसके पीछे के मूल्यों पर विचार करके सुशासन की अवधारणा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

किलों और विरासत-आधारित विकास से 50,000 से अधिक नौकरियाँ पैदा होंगी और अर्थव्यवस्था को 1,000 करोड़ रुपये का बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए सांस्कृतिक मामलों के विभाग के साथ प्रस्ताव पर इस समय चर्चा की गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय की अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्विनी भिडे, सांस्कृतिक विभाग के सचिव किरण कुलकर्णी, राज्य पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ. तेजस गर्गे उपस्थित थे। राजदूत शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सांस्कृतिक और पुरातत्व विभागों के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। शर्मा भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए चैत्यभूमि जाएंगे।

भारत-रूस व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों की राउंडटेबल चर्चा संपन्न

मुंबई। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के सहयोग से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई में रूस के बिजनेस डेलिगेशन के साथ एक इंटरैक्टिव राउंडटेबल मीटिंग आयोजित की गई। इस कॉन्फ्रेंस ने भारतीय उद्योगों को रूसी कंपनियों के साथ सीधे बातचीत करने, सहयोग के अवसरों का पता लगाने और लंबे समय तक चलने वाली बिजनेस पार्टनरशिप बनाने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान किया।

इस कॉन्फ्रेंस में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के प्रेसिडेंट और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट डॉ. विजय कलंत्री, रूस में सदर्न एक्सपोर्ट सपोर्ट सेंटर की प्रतिनिधि इरिना मालाखोवा, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की ट्रेड प्रमोशन एंड डेवलपमेंट डायरेक्टर प्रिया पानसारे और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डॉ. विजय कलंत्री ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को नई ताकत मिली है। इसी पृष्ठभूमि में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस को रूसी व्यापार प्रतिनिधियों से सकारात्मक और उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। भारत में, खासकर महाराष्ट्र में, व्यापार के बड़े अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय पूंजी बाजार में रूसी निवेश, परमाणु और रक्षा क्षेत्रों में आवश्यक टेक्नोलॉजी के आदान-प्रदान और संयुक्त उद्यमों के कारण 2027 तक द्विपक्षीय व्यापार 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

इरिना मालाखोवा ने कहा, भारत और रूस के बीच लंबे समय से मजबूत आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी है। कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य इस साझेदारी को और मजबूत करना और रूसी उद्योगों को भारतीय बाजार तक पहुंच प्रदान करना है, साथ ही निर्यात प्रोत्साहन और व्यावसायिक अवसर प्रदान करना है, जिससे रूस और भारत के बीच फलदायी द्विपक्षीय संबंध बनेंगे। उन्होंने रूस में व्यापार और निर्यात के अवसरों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह कॉन्फ्रेंस भारत-रूस व्यापार संबंधों को और मजबूत करेगा और भारतीय उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए अवसर प्रदान करेगा। कॉन्फ्रेंस के दौरान, दोनों देशों के उद्यमियों ने विभिन्न क्षेत्रों में नीतियों, अवसरों, चुनौतियों और भविष्य के सहयोग पर गहन चर्चा और बातचीत की।

इस कॉन्फ्रेंस में भारत में खाद्य और पेय , हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, कोल्ड-चेन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों के बड़ी संख्या में पेशेवरों ने भाग लिया।

'देश के साथ बेईमानी और गद्दारी', ऑपरेशन सिंदूर पर पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर बोले एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दिए गए विवादित बयान पर सियासत तेज हो गई है. इसे लेकर अब डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस नेता को घेरा है. उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि जो पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और भारत के खिलाफ बात करते हैं, ये देशद्रोह हैं. ये देश के साथ बेईमानी और गद्दारी है. देश की जनता ऐसे लोगों को सबक सिखाएगी.

एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा, ''ये भारत की हार की बात करने वाले लोग पाकिस्तान की जीत चाहते हैं क्या? पाकिस्तान की बोली बोलते हैं. भारत के खिलाफ बात करते हैं. ये कैसे भारतीय हैं. ये काहे की देशभक्ति है. ये कैसी राष्ट्रभक्ति है. ये तो देशद्रोह है. देश से गद्दारी है, देश से बेईमानी है और इसलिए ऐसे वक्तव्य करने वालों का मैं निषेध करता हूं.''

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राहुल गांधी हिसाब पूछते हैं- शिंदे

उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भी घेरा और कहा, ''जब ऑपरेशन सिंदूर हुआ तो कांग्रेस के राहुल गांधी कई बार उसका हिसाब पूछते हैं. कितने ड्रोन गए, कितने विमान गए, कितना नुकसान हुआ? अरे पाकिस्तान के खिलाफ जो देश के लड़ाकों ने जो कारवाई की है, आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया है, किसी भी सिविलियन को कोई तकलीफ नहीं हुई.''

भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया- शिंदे

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने आगे कहा, ''भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है. इसका गर्व पूरे देश वासियों को है और इनको पाकिस्तान का गर्व है. ऐसे बोलने वालों को जनता सबक सिखाएगी और वो जो पीएम नरेंद्र मोदी जी के बारे में बोलते हैं कि कब्र खोदेंगे तो उनकी कब्र खुद खोद देगी.''

पृथ्वीराज चव्हाण ने क्या कहा था?

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और कांग्रेस के सीनियर नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने मंगलवार (16 दिसंबर) को विवादित बयान देते हुए कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के पहले ही दिन हमें पूरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था. उन्होंने कहा, ''7 मई को हुई आधे घंटे की हवाई मुठभेड़ में हम पूरी तरह पराजित हुए. चाहे लोग इसे स्वीकार करें या न करें. भारतीय विमानों को मार गिराया गया. वायुसेना पूरी तरह ग्राउंडेड कर दी गई थी.''

एल्गार परिषद मामलाः गौतम नवलखा को दिल्ली स्थित घर में रहने की अनुमति, साप्ताहिक हाजिरी की शर्त बरकरार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एल्गार परिषद-माओवादी लिंक मामले में आरोपी मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा को दिल्ली स्थित अपने घर में रहने की अनुमति दे दी। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि नवलखा को मुकदमे की सुनवाई के लिए जब भी जरूरत हो, विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश होना होगा।

नवलखा के लिए रखी गई ये शर्त

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति श्याम चंदक की पीठ ने आदेश दिया कि नवलखा हर शनिवार दिल्ली के स्थानीय पुलिस थाने में हाजिरी लगाएंगे, अपना पासपोर्ट जमा करेंगे और विशेष अदालत की पूर्व अनुमति के बिना दिल्ली नहीं छोड़ेंगे। अदालत ने कहा कि आरोप तय होने के समय और उसके बाद ट्रायल के दौरान उन्हें विशेष अदालत के निर्देशानुसार हर तारीख पर उपस्थित रहना होगा, जब तक कि उन्हें छूट न दी जाए।

नवलखा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता युग चौधरी ने साप्ताहिक हाजिरी की शर्त में ढील देकर इसे मासिक करने का अनुरोध किया, लेकिन पीठ ने इसे

खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि नवलखा को भले ही सशर्त स्वतंत्रता मिली हो, लेकिन वह अभी पूरी तरह स्वतंत्र व्यक्ति नहीं हैं।

हाईकोर्ट ने 2023 में नवलखा को दी थी जमानत

बता दें कि हाईकोर्ट ने 2023 में नवलखा को जमानत दी थी, लेकिन शर्त लगाई गई थी कि वह ट्रायल कोर्ट की अनुमति के बिना मुंबई नहीं छोड़ेंगे। इस वर्ष नवलखा ने विशेष एनआईए अदालत में दिल्ली में रहने की अनुमति मांगी थी, जिसे खारिज कर दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। अपनी याचिका में नवलखा ने दलील दी थी कि मुकदमे की सुनवाई जल्द शुरू होने की संभावना नहीं है और उनके लिए मुंबई में रहना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। एनआईए का आरोप है कि नवलखा प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के नेताओं के निर्देश पर उसकी विचारधारा और गतिविधियों को बढ़ावा देने में शामिल सह-षड्यंत्रकारी थे।

कोरेगांव-भीमा में हिंसा में को षड्यंत्र करने का आरोप

यह मामला 31 दिसंबर 2017 को पुणे के शनिवारवाड़ा में आयोजित एल्गार परिषद कार्यक्रम से जुड़ा है, जहां कथित तौर पर भड़काऊ भाषणों के जरिए विभिन्न जाति समूहों के बीच शत्रुता फैलाया गया, जिसके बाद कोरेगांव-भीमा में हिंसा हुई। इस हिंसा में जान-माल का नुकसान हुआ और महाराष्ट्र में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। मामले की शुरुआत 2018 में पुणे पुलिस ने की थी, जिसे बाद में एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया। एल्गार परिषद मामले में अब तक 16 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद शामिल हैं।

मंत्री मणिकराव कोकाटे की बढ़ीं मुश्किलें, जारी हुआ अरेस्ट वारंट; 19 दिसंबर को हाईकोर्ट में सुनवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के खेल मंत्री और एनसीपी नेता माणिकराव कोकाटे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नासिक की एक सत्र अदालत ने 1995 के धोखाधड़ी और जालसाजी मामले में उनकी दो साल की जेल की सजा को बरकरार रखा है। इसके साथ ही नासिक अदालत ने कोकाटे के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट भी जारी कर दिया है।

मंत्री ने खटखटाया हाई कोर्ट का दरवाजा

इस फैसले के खिलाफ कोकाटे ने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है। मामले में कोकाटे के वकील अनिकेत निकम ने जस्टिस आर एन लड्ढा की सिंगल बेंच के सामने याचिका का जिक्र किया और तुरंत सुनवाई की मांग की। कोर्ट ने इसे शुक्रवार को सुनवाई के लिए लिस्ट किया। हालांकि, निकम ने बुधवार को सजा पर रोक लगाने की मांग नहीं की, इसलिए इस संबंध में कोई आदेश पारित नहीं किया गया। उन्होंने हाई कोर्ट में बताया कि कोकाटे अपना मंत्रालय खोने वाले थे और नासिक सत्र अदालत, जिसने मजिस्ट्रेट कोर्ट के सजा के आदेश को बरकरार रखा था, उसने सजा पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि वह शुक्रवार को सजा को निलंबित करने के लिए कोकाटे की याचिका पर विचार करेगा।

मामले में नासिक कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोकाटे ने एक समृद्ध किसान होने के बावजूद बेईमानी से खुद को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का बताकर राज्य सरकार को गुमराह किया और मुख्यमंत्री कोटे से गरीबों के लिए आरक्षित फ्लैट हासिल किए। इस फैसले के खिलाफ कोकाटे ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील दायर की है, जिस पर जस्टिस आर. एन. लड्ढा की बेंच शुक्रवार, 19 दिसंबर को सुनवाई करेगी।

कोर्ट ने सजा रखा बरकरार

इस साल 20 फरवरी में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता कोकाटे और उनके भाई विजय कोकाटे को दोषी ठहराया था। राज्य सरकार के कोटे के तहत फ्लैट प्राप्त करने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा करने के मामले में दोनों को दो साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। जिसे अब नासिक जिला और सत्र न्यायालय के न्यायाधीश पीएम बदर ने मंगलवार को मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा

मंत्री कोकाटे को दी गई जेल की सजा को बरकरार रखा।

क्या है मामला?

जिस मामले ने आज एक मंत्री की कुर्सी हिला दी है, वह 30 साल पुराना मामला है। मामला नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके का है। माणिकराव कोकाटे पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए मुख्यमंत्री कोटे से निम्न आय वर्ग के लिए आरक्षित फ्लैट हासिल किया। यह फ्लैट गरीबों के लिए था, जिनकी वार्षिक आय 30,000 रुपये से अधिक नहीं थी, लेकिन कोकाटे ने झूठे हलफनामे जमा करके इसे हथिया लिया। उन्होंने अकेले यह काम नहीं किया। इसमें उनके भाई विजय कोकाटे भी शामिल थे।

मामला सामने आने के बाद सत्र अदालत ने माणिकराव कोकाटे और उनके भाई को दोषी मानते हुए 2 साल की कैद और 10,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। इसके बाद वे ऊपरी अदालत में गये। लेकिन न्यायालय ने उन्हें दोषी पाए जाने के फैसले से सहमति जताई और भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 465 (जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के मकसद से जालसाजी) और 471 (जाली दस्तावेज का बेईमानी से इस्तेमाल) के तहत उनकी सजा को भी बरकरार रखा। मामले में अब मंत्री बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

दोषी मंत्री की जगह किसे मिलेगी कुर्सी

मामले को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार से उनके दल के दोषी मंत्री माणिकराव कोकाटे के स्थान पर नए मंत्री के नाम पर सलाह मांगी है। सूत्रों के मुताबिक, इससे साफ है कि कोकाटे की मंत्री पद से छुट्टी हो सकती है। माणिकराव कोकाटे को 1995 के एक धोखाधड़ी और जालसाजी मामले में नासिक की अदालत ने दो साल की सजा सुनाई है। वह एनसीपी के वरिष्ठ नेता हैं।

सीएम ने अजित पवार से मांगी सलाह

अदालत के फैसले के बाद सीएम फडणवीस ने अजित पवार से बात कर पूछा कि कोकाटे की जगह मंत्रिमंडल में किसे शामिल किया जाए। इस बीच एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि वह इस मुद्दे पर चर्चा के लिए गुरुवार को मुंबई में अजित पवार से मिलेंगे। उन्होंने बस इतना कहा, 'हम कानून और संविधान का पालन करते हैं।' उधर, माणिकराव कोकाटे ने अपनी सजा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अदालत इस पर शुक्रवार को सुनवाई करेगी। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि उन्हें अभी तक अदालत के आदेश की प्रमाणित प्रति नहीं मिली है।

संजय राउत का आपत्तिजनक बयान, 'अमित शाह का टेस्ट ट्यूब बेबी हैं एकनाथ शिंदे'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव के बीच उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति पर जमकर बोला है. खासकर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर संजय राउत ने बेहद विवादास्पद बयान दिया है.

मनरेगा का नाम बदलने को लेकर संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि अब राम जी उन्हें नहीं बचाएंगे. उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि बीजेपी वाले महात्मा गांधी से इतनी नफरत क्यों करते हैं? इसी के साथ संजय राउत ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलना महात्मा गांधी की 'दूसरी हत्या' है.

इसके अलावा, संजय राउत ने दावा किया कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे के बीच सीट शेयरिंग की बातचीत आखिरी स्टेज में है. इसको लेकर एक दिन पहले (16 दिसंबर) को भी बातचीत हुई थी. आज यह बातचीत खत्म हो जाएगी. उम्मीद है कि आज यह मामला खत्म हो जाएगा.

कांग्रेस से गठबंधन टूटने पर क्या बोले संजय राउत?

वहीं, कांग्रेस से दूरी बढ़ने के सवाल पर संजय राउत ने स्पष्ट किया कि गठबंधन में अब कांग्रेस नहीं है. शरद पवार से बात चल रही है, देखिए क्या होता है. फिलहाल, संजय राउत का मानना है कि यह अलायंस महायुति के लिए बड़ी चुनौती बनने वाला है.

राज और उद्धव ठाकरे को लेकर संजय राउत ने दावा किया कि दोनों कई बार साथ आ चुके हैं. बैठकर बातचीत कर चुके हैं. हमें ताकत दिखाने की जरूरत नहीं है. जब पहली मीटिंग अनाउंस होगी, तो मराठी लोग देखेंगे. अभी यह तय नहीं हुआ है कि पीसी करके अलायंस अनाउंस करना है या मीटिंग करके.

एकनाथ शिंदे पर साधा निशाना

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे को लेकर संजय राउत ने विवादित बयान दिया. उन्होंने कहा, 'शिंदे ग्रुप का शिवतीर्थ से क्या लेना-देना है? आप अमित शाह के टेस्ट ट्यूब बेबी हैं. आप नैचुरल तरीके से पैदा नहीं हुए हैं. आपको टेम्परारी तौर पर अरेंज किया गया है. बीजेपी डुप्लीकेट शिवसेना के साथ जाने को तैयार नहीं है. अमित शाह ने जबरदस्ती शादी करवाई है. शिंदे दुल्हन हैं, वो जबरदस्ती बीजेपी के पैरों में बैठना चाहते हैं.'

दर्दनाकः बाथरूम गए नर्सरी क्लास के दो बच्चों का फिसला पैर, नाले में डूबने से हुई मौत... प्रशासन ने नहीं बनवाई थी दीवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के जलगांव जिले के भडगांव शहर से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. यहां आदर्श कन्या विद्यालय की इंग्लिश मीडियम नर्सरी में पढ़ने वाले दो और चार साल के छात्रों की नाले में डूबने से मौत हो गई. इस हादसे के बाद पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई है और लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है.

मृत बच्चों की हुई पहचान

मृत बच्चों की पहचान ज्ञानेश्वर मयंक वाघ और अंश सागर तहसीलदार के रूप में हुई है. दोनों बच्चे आदर्श कन्या विद्यालय की नर्सरी कक्षा में पढ़ते थे. यह दर्दनाक हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुआ, जब दोनों बच्चे स्कूल परिसर के पास मौजूद नाले में गिर गए.

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, हाल ही में हुई बारिश और बाढ़ के कारण स्कूल परिसर की सुरक्षा दीवार गिर गई थी. स्कूल के बाथरूम इसी नाले के पास स्थित हैं. बताया जा रहा है कि बाथरूम जाने के दौरान दोनों बच्चों का पैर फिसल गया और वे सीधे नाले में गिर पड़े. नाले में पानी ज्यादा होने के कारण दोनों बच्चे बाहर नहीं निकल पाए.

अस्पताल में किया गया मृत घोषित

घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल स्टाफ और स्थानीय लोगों ने दोनों बच्चों को तुरंत भडगांव ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया. हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया. मासूम बच्चों की मौत की खबर सुनते ही परिजन सहम गए.

इस घटना के बाद अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने स्कूल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. लोगों का कहना है कि सुरक्षा दीवार गिरने के बावजूद स्कूल प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया. यदि समय रहते सुरक्षा के इंतजाम किए जाते तो यह हादसा टल सकता था.

पुलिस जांच में जुटी

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है. अभिभावकों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. इस दर्दनाक हादसे से भडगांव शहर में गहरा शोक फैल गया है. लोग मासूम बच्चों की मौत से आहत हैं ।

सम्पादकीय

हाईवे पर हो रही मौतों के लिए क्या सिर्फ ड्राइवर जिम्मेदार? कोर्ट ने सरकार और एनएचएआइ से पूछा - जवाबदेह कौन

पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर जिस तरह के हादसे हुए, उसमें वाहन चालकों की लापरवाही या चूक को जिम्मेदार बताया जा सकता है। मगर सड़क किनारे बने ढाबे या होटल भी इसका बड़ा कारण बन रहे हैं, क्योंकि अक्सर इनके सामने ट्रक या अन्य वाहन खड़े कर दिए जाते हैं और वहां से गुजरने वाली कोई अन्य गाड़ी उनसे टकरा जाती है। ऐसे अनेक मामले सामने आए, जिसमें पिछले महीने की शुरुआत में राजस्थान के फलोदी में एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने की घटना ने सबका ध्यान खींचा था। उसमें दस महिलाओं और चार बच्चों सहित पंद्रह लोगों की जान चली गई थी।

इस घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और ऐसे हादसों को लेकर चिंता जताई थी। उसी मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआइ और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी जताई। अदालत ने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे बने अवैध ढाबे तथा होटल सड़क हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं और इसे रोकने के लिए पूरे देश में लागू होने वाले दिशा-निर्देशों पर विचार किया जाएगा।

यह कोई छिपी बात नहीं है कि लंबी दूरी की निर्बाध सड़कों के किनारे कई जगहों पर ढाबे या होटल तो बना दिए जाते हैं, लेकिन वहां सड़क से अलग हट कर वाहन लगाने के लिए जगह नहीं होती। नतीजतन, वहां खाने-पीने आदि के लिए रुकने वाले लोग अपनी गाड़ी सड़क किनारे ही खड़ी कर देते हैं। जबकि ऐसी सड़कों पर आमतौर पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है और पीछे से आने वाली गाड़ियों के टकराने की आशंका हमेशा बनी रहती है।

इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सड़क किनारे बिना रोकटोक के ऐसे ढाबे और होटल चलने की जिम्मेदारी किसकी है? एक ही प्रकृति के लगातार हादसों और ज्यादातर घटनाओं में कारण स्पष्ट होने के बावजूद सरकार की ओर से अब तक इस दिशा में कोई पहल क्यों नहीं की गई? इसी को रेखांकित करते हुए अदालत ने सवाल उठाया है कि इस तरह के ढाबों पर कार्रवाई के लिए कौन-से नियम हैं और अब तक इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं।

हैरानी की बात है कि लगातार सड़क हादसों के कारणों की पहचान करके उसे दूर करने के लिए सरकार और संबंधित महकमों को खुद अपनी ओर से जो पहल करनी चाहिए थी, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को ध्यान दिलाना पड़ता है।

देश भर में अच्छी सड़कों का जाल तो बिछाया जा रहा है, लेकिन उन पर सफर भी उतनी ही सुरक्षित हो, यह सुनिश्चित करने का सवाल एक तरह से हाशिये पर छोड़ दिया गया है। एक्सप्रेस-वे या राष्ट्रीय उच्च मार्गों पर निर्बाध सफर की सुविधा तो है, लेकिन अगर कहीं ढाबा या होटल बना दिया गया है, तो अव्वल तो उनकी वैधता की पड़ताल की जरूरत नहीं समझी जाती, फिर वहां वाहन लगाने की जगह अनिवार्य रूप से हो, यह सुनिश्चित करने की अनदेखी की जाती है।

विडंबना यह है कि देश भर में लगातार हो रहे हादसों में लोगों की जान जा रही है, लेकिन ऐसा लगता है कि ऐसी घटनाओं को रोकने का सवाल सरकार की प्राथमिकता में शुमार नहीं है। सड़कों के डिजाइन से लेकर हादसों की कई वजहों को लेकर हुए अध्ययनों में एक ठोस नीति की जरूरत लंबे समय से बताई जा रही है।

जब मन लौटने को कहे, क्या हर वापसी नई शुरुआत होती है या कमजोर समझी जाने वाली साहसी यात्रा?

लौटना और बार-बार जाकर फिर लौटना। यह क्रम हमेशा सहज नहीं होता। सब समाप्त होने के बाद फिर लौटने में थोड़ा सुकून तो होता है, लेकिन कई आशंकाएं भी मन में गहरे उतर आती हैं। लौटता हुआ इंसान कभी बेफिक्र नहीं रह पाता, क्योंकि रास्ते बदलते नहीं, उनसे जुड़ी भावनाएं भी साथ चलती हैं। अतीत की सुखद अनुभूति उसे अपनी ओर खींचती है, आशाओं से भरती है कि संभवतः इस बार वे सुखद वादे फलीभूत हो जाएंगे। मगर अतीत के कंटक, उनसे उपजे घाव और स्मृतियों में अटकी पीड़ा उसके हृदय को जकड़ लेती है। मन के अंदर दो ध्रुव खिंचाव पैदा करते हैं–एक उम्मीद का, दूसरा भय का।

पूरी तरह कदम खींचकर, मुड़कर दूसरी राह पर खुद को जबरदस्ती आगे बढ़ाने का प्रयास करने के बाद जब कोई अज्ञात भावना या ऊर्जा फिर से भीतर हलचल पैदा करती है, तो मन बहुत कुछ समझकर भी उलझ जाता है। प्रेम-पुष्प, जो जगह-जगह से बिंध चुका है, पर अभी भी आत्मा की डाली से पृथक नहीं हुआ है, वह पतझड़ से पहले शायद अंतिम उम्मीद के रूप में प्रकृति को निहारता है। मन ही मन प्रार्थना करता है कि शायद उसका अस्तित्व नए रूप में फिर से खिल उठे और हर तरफ महक फैलाए।

मगर लौटना केवल किसी व्यक्ति तक सीमित नहीं होता। कई बार यह आत्म-परीक्षण का अवसर होता है–अपने फैसलों को परखने का, अपनी भावनाओं को समझने का और यह तय करने का कि क्या छोड़ा हुआ वास्तव में छोड़ने योग्य था या नहीं। लौटते समय मन की झिझक, संदेह, भय, शर्म और पिछली गलतियों की छाया साथ चलती है। इन्हीं अनुभवों के आधार पर हम स्वयं से प्रश्न करते हैं कि क्या उस समय लिया निर्णय सही था? क्या हमने जल्दबाजी की? या क्या हमने अपने ही दिल को अनसुना कर दिया था?

यह प्रक्रिया हृदय और मस्तिष्क के संतुलन को समझने का अवसर देती है। हमारे भीतर की नादानी, असुरक्षा और छिपे भय सामने आते हैं, जिन्हें पहचानना भी आधा उपचार है। लौटना इसलिए भी आवश्यक हो जाता है कि हम अपने भीतर की आवाज को एक बार फिर सुन सकें, क्योंकि कभी-कभी हम खुद को ही गलत समझ लेते हैं। और यही सबसे बड़ी चूक होती है, क्योंकि ऐसे में कई बार हम अपने सही निर्णय को गलत और गलत को सही मानने के ऊहापोह की स्थिति में पहुंच जाते हैं। जब तक हम अपनी नजर में स्पष्ट न हों कि हम गलत हैं, तब तक नतीजे के तौर पर खुद को गलत मानना ठीक नहीं।

हां, यह सही है कि भावनाएं जब बार-बार लौटने के बाद किसी निर्णायक मोड़ पर पहुंचती हैं, तो उनमें पहले जैसी सहजता नहीं रहती। भीतर एक अतिरिक्त सावधानी जन्म लेती है। एक मौन उदासीनता, जो नाजुक आवरण में छिपी रहती है, ताकि उम्मीदें फिर कभी मृगतृष्णा की तरह भटकती न रह जाएं। और यह भी कि जिस व्यक्ति के पास लौटे हैं, उसके उत्साह, प्रयास और भावनाओं को अपनी आशंकाओं के कारण धूमिल न किया जाए।

इसकी वजह यह है कि वह भी समझ चुका होता है कि यह लौटना अंतिम प्रयास हो सकता है और शायद वह भी अपनी ओर से कुछ बदलने का संकल्प लिए बैठा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि इस लौटने और वापस जाने की पुनरावृत्ति में वह पुराना अधिकार भाव नहीं बच पाता। मन के किसी कोने में यह भय स्थायी रूप से बस जाता है कि कहीं फिर किसी मोड़ पर अपना समेटा हुआ सामान उठाकर हमेशा के लिए रुखसत न होना पड़ जाए और सामान भी क्याष्ठ बहुत कुछ तो पहले ही नष्ट हो चुका होता है। वे मासूम भावनाएं, एकाधिकार की चाह, अल्हड़ प्रेम और वह सादगी जो अब वैसी कभी नहीं रह सकती। कुछ खनकते कंगनों की ध्वनिष्ठ वक्त की सलवटेंष्ठ आंखों के कोनों में छिपा सूनापनष्ठ! ये सब याद दिलाते हैं कि लौटना हमेशा आसान नहीं होता।

और जब शक्ति बदले हुए अस्तित्व के साथ फिर से किसी के पास जाती है, तब भी एक अनकही बेचैनी महसूस होती है। उसके बिना रहने की कोशिश, दूर होने पर खुद को संभालने की आशंका और लौटकर भी सामान्य न हो पाने का डर साथ चलता है। मगर अगली बार सच में बसंत आ गया, तो नई कोपलें फिर फूटेंगीष्ठ कोयल की कूक फिर गूंजेगीष्ठ इंद्रधनुष फिर हृदय पर फागुन बनकर उतरेगा। लौटने की यह यात्रा खुशियों की नई रंगोली बनकर जीवन-बगिया को एक बार फिर महका सकती है।

शायद यही वह संकेत हो, उस अज्ञात प्रेरणा का, जो बार-बार भीतर से कहती है कि अभी समाप्त नहीं हुआ, अभी कुछ शेष है। इसलिए अगर कभी इस तरह लौटना पड़े, तो इसे कमजोरी नहीं समझना चाहिए। यह स्वयं को दिया गया अवसर है, जिससे यह समझा जा सके कि ब्रह्मांड की ऊर्जा के संदेश क्या सच में आत्मा ने ग्रहण किए हैं, या यह केवल टूटे हृदय की पुकार है?

कहीं ऐसा तो नहीं कि हम भ्रमवश अपनी ही कमजोरी को संकेत समझ बैठे हों? भविष्य ही बताता है कि यह निर्णय सकारात्मक था या नकारात्मक, लेकिन आत्मविकास का एक नया अध्याय अवश्य रहेगा कि हमने कम से कम एक अंतिम बार मन की सुनकर लौटने का साहस किया। अपने भीतर झांकने का, अपनी भावनाओं को सत्यापित करने का और अपने हृदय की पुकार को उसका हक देने का। क्योंकि कभी-कभी आत्मा की पुनर्परीक्षा भी आवश्यक होती हैष्ठ और लौटना उसी यात्रा का महत्त्वपूर्ण अध्याय बन जाता है।

वीआईपी दर्शन पर सुप्रीम आदेश, निर्णय केंद्र करे

सुप्रीम कोर्ट ने मंदिरों में 'वीआईपी दर्शन' सुविधा को चुनौती देने वाली याचिका भले ही खारिज कर दी, किंतु इस याचिका पर कोर्ट द्वारा कही गई बातों की गूंज दूर तक जाएगी। यह गूंज केंद्र सरकार को विवश करेगी कि वह मंदिरों में हाने वाले वीवीआईपी दर्शन पर रोक लगाने वाला निर्णय लें। कोर्ट की ये गूंज आने वाले समय में मंदिरों के वीवीआईपी दर्शन कर रोक लगाने का रास्ता प्रशस्त करेगी।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है। यह याचिका मंदिरों की तरफ से वसूले जाने वाले वीआईपी दर्शन शुल्क को समाप्त करने की मांग कर रही थी। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारी राय है कि मंदिरों में प्रवेश के संबंध में कोई विशेष व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन हमें नहीं लगता कि यह अनुच्छेद 32 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने का उपयुक्त मामला है।' यह आदेश में दर्ज किया गया लेकिन मामला सरकार के विचार के लिए छोड़ दिया गया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि यह मामला कानून-व्यवस्था का प्रतीत होता है और याचिका इस पहलू पर होनी चाहिए थी। बेंच ने कहा, 'हम स्पष्ट करते हैं कि याचिका खारिज होने से संबंधित अधिकारियों को जरूरत के हिसाब से कार्रवाई करने से नहीं रोका जाएगा।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, 'आज 12 ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ इस प्रैक्टिस को फॉलो करते हैं। ये मनमाना और भेदभाव वाला है। यहां तक कि गृह मंत्रालय ने भी आंध्र प्रदेश से इसकी समीक्षा करने को कहा है। चूंकि, भारत में 60 प्रतिशत पर्यटन धार्मिक है, इसलिए ये भगदड़ की प्रमुख वजह भी है।' सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका विजय किशोर गोस्वामी ने डाली थी। उन्होंने मंदिरों में अतिरिक्त शुल्क लेकर 'वीआईपी दर्शन' के चलन को आर्टिकल 14 के तहत समानता के अधिकार और आर्टिकल 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन बताया। उन्होंने दलील दी कि जो लोग इस तरह का शुल्क अदा करने में असमर्थ हैं, ये उनके खिलाफ भेदभाव है। याचिका में जोर देकर कहा गया था कि कई मंदिर 400 से 500 रुपये में लोगों के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था करते हैं। इससे आम श्रद्धालु और खासकर महिलाएं, स्पेशली एबल्ड लोग और सीनियर सिटिजंस को दर्शन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह मामला देश भर के मंदिरों में आम लोगों और वीआईपी के बीच भेदभाव के मुद्दे को उठाता है। वीआईपी दर्शन की सुविधा से आम लोगों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है, जबकि वीआईपी आसानी से दर्शन कर लेते हैं।

ये एक जगह नही है, श्रद्धालु को इस समस्या से अधिकांश जगह रूबरू होना पड़ता है। जगह-जगह मंदिरों में इस समस्या का सामना होता है। लगभग 40 साल पहले हम कोलकाता गए। कालिका जी मंदिर में हम श्रद्धालुओं की लाइन में लगे थे कि हमारे एक साथी ने देखा और हमें इशारा कर अपने पास बुला लिया। यहां पुजारी पांच रूपया प्रति व्यक्ति लेकर सीधे दर्शन करा रहे थे। अभी वेट द्वारिका जाना हुआ। हम परिवार के छह सदस्य थे। एक पंडित जी ने हमसे पांच सौ रूपये

लिए। अलग लाइन से हमें आराम से दर्शन कराए। भीड़-भाड़ भी बची। वैसे दर्शन में दो से तीन घंटे लगते पांच सौ रूपये में आधा घंटा में दर्शन कर मंदिर से बाहर आ गए। करीब दस साल पहले हम गुजरात में अम्बा जी गए थे। दर्शन की लाइन में लगे थे कि कर्मचारियों ने यह कह कर हमके रोक दिया कि दर्शन का समय समाप्त हो गया, जबकि कुछ अन्य को लगातार प्रदेश दिया जा रहा। किसी तरह हम अन्यों वाली पंक्ति में शामिल हुए। तब दर्शन हुए। दर्शन भी बड़े आराम से हुए। काफी समय हम मंदिर में रूके, जबकि ऐसा पहले संभव नही था। इस तरह का भेदभाव हमें कई जगह देखने को मिला। उज्जैन में तो आप पंडित को पांच सौ के आसपास रूपये दीजिए। वह मंदिर के गर्भ गृह में ले जाकर पूजन अर्चन कराते हैं। जो ये रकम नही देते वे गर्भगृह के बाहर ही दूर से दर्शन कर तृप्त हो जाते हैं। ओंकारेश्वर में तो पंडित जी पूजा भी आराम से और श्रद्धालुओं की पंक्ति से अलग लेकर कराते हैं। मथुरा जी के बांके बिहारी मंदिर में सुप्रीम आदेश से यह व्यवस्था रूकी है, अन्यथा लगभग सभी मंदिरों की हालत ऐसी ही है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका तो खारिज कर दी, किंतु इस वीआईपी दर्शन पर रोक वाली गेंद केंद्र सरकार के पाले में यह कह कर डाल दी। बेंच ने कहा कि बेंच इस मुद्दे से सहमत है, लेकिन अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश जारी नहीं कर सकती। पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह एक नीतिगत मामला है। इस पर केंद्र सरकार को विचार करना होगा। बेंच ने यह भी कहा कि वीआईपी के लिए ऐसा विशेष व्यवहार मनमाना है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश अब केंद्र सरकार को विवश करेगा कि मंदिरों में आम आदमी के साथ हो रहे भेदभाव को रोके और बांके बिहारी मंदिर की तरह पैसा लेकर कराए जा रहे वीआईपी दर्शन की व्यवस्था खत्म करे। व्यवस्था अयोध्या जी के श्रीराम मंदिर जैसी हो, जहां श्रद्धालु बिना भेदभाव आराम से 25-30 मिनट में दर्शन कर बाहर आ सके।

क्या वाकई पराली से दम घुट रहा है? रिपोर्ट कहती है असली वजह कुछ और

दिल्ली समेत आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण हाहाकार मचा हुआ है। कभी दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआइ गंभीर श्रेणी को पार कर जाता है तो कभी दिन का उच्चतम तापमान सारे कीर्तिमान ध्वस्त कर देता है। वायु प्रदूषण के कारण बीमारियों में काफी वृद्धि हुई है। एक्यूआइ के लिए कई बार लोग पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली को लगभग एकतरफा तौर पर दोषी ठहराना शुरू कर देते हैं। राज्य सरकारों द्वारा भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है। जबकि सिर्फ दिल्ली में नहीं, बल्कि देश के कई अन्य शहरों में भी वायु प्रदूषण बहुत ज्यादा है।

यह समझना आवश्यक है कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए केवल किसानों को दोषी ठहराना एक अदूरदर्शी और अप्रभावी दृष्टिकोण है। हमें धुएं वाले खेतों से परे देखना चाहिए और उन आंकड़ों की जांच करनी चाहिए, जो हमारी जहरीली हवा के वास्तविक कारणों को रेखांकित करते हैं। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र यानी सीएसई की एक रपट ने इस बात की पुष्टि की है कि दिल्ली के लगातार कोहरे के पीछे का असली कारण दूर की पराली नहीं, बल्कि सड़कों पर बेहिसाब वाहन और स्थानीय, अनियंत्रित कारक हैं। इसकी पुष्टि दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति पर 2018 की संसदीय समिति की रपट से भी होती है, जिसने प्रदूषण में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों का विस्तार से वर्णन किया था।

इस रपट के अनुसार, भारी मात्रा में प्रदूषक दरअसल वाहन उत्सर्जन, निर्माण और औद्योगिक उत्सर्जन, कचरा जलाने से निकलने वाले धुएं और सड़क की धूल से निकलते हैं। यह अक्सर अनियंत्रित, शहरी और औद्योगिक विस्तार की पहचान हैं।

यह विडंबना ही है कि दिल्ली में प्रदूषण के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर के पराली के धुएं को जिम्मेदार बताया जाता है, लेकिन जब किसान उचित मुआवजा पाने के लिए संघर्ष करते हैं, तो उनकी दुर्दशा अक्सर तहसील स्तर पर भी दर्ज नहीं हो पाती है। तथ्य यह है कि पराली जलाना तेज हवा वाले दिनों को छोड़कर, समग्र वार्षिक प्रदूषण भार में मामूली योगदान देता है। इसके अलावा, किसान इसका सहारा इसलिए लेते हैं, क्योंकि यह आर्थिक अस्तित्व और तार्किक मजबूरी का विषय है।

वे धान की कटाई और गेहूं की अगली फसल की बुआई के बीच एक गंभीर रूप से सीमित समय सीमा का सामना करते हैं, जिससे यांत्रिक अवशेष प्रबंधन का महंगा और समय लेने वाला विकल्प पर्याप्त सरकारी समर्थन के बिना आर्थिक रूप से अव्यावहारिक हो जाता है। उन्हें दोष देना समाधान नहीं है।

यह सही है कि कृषि भी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का एक स्रोत है। मुख्य रूप से मीथेन (सीएच4) और नाइट्रस आक्साइड (एन2ओ) के रूप में, जो विभिन्न कृषि गतिविधियों के दौरान निकलते हैं। पशुधन खेती, चावल की खेती और सिंथेटिक उर्वरकों का उपयोग इन उत्सर्जनों में प्रमुख योगदानकर्ताओं में से हैं। हालांकि इन तथ्यों को स्वीकार करना जितना महत्त्वपूर्ण है, कृषि उत्सर्जन की जटिलताओं को पहचानना भी उतना ही आवश्यक है।

किसान समाज की रीढ़ हैं, जो हमारा भोजन उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार हैं। कई किसान पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए कम जुताई, फसल चक्र और सटीक कृषि जैसी टिकाऊ प्रथाओं को अपना रहे हैं। वे समझते हैं कि दीर्घकालिक कृषि स्थिरता के लिए एक स्वस्थ वातावरण आवश्यक है। भारत में कृषि मात्र जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति है। किसान मौसम के अप्रत्याशित मिजाज, बढ़ती लागत, बदलती बाजार मांगों और पैदावार बढ़ाने के लगातार दबाव से जूझते हैं। अधिकांश किसान पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। वे दुनिया की बढ़ती आबादी को खाना खिलाते हुए बस जीविकोपार्जन करने की कोशिश कर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन में उनकी भूमिका के लिए किसानों को दोषी ठहराने के बजाय, टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना अधिक रचनात्मक दृष्टिकोण है। कई किसान पर्यावरण के अनुकूल तरीकों को अपनाने के इच्छुक हैं, लेकिन ऐसा करने के लिए उन्हें अक्सर प्रशिक्षण से लेकर वित्तीय सहयोग जैसे समर्थन की आवश्यकता होती है। किसानों को कृषि उत्पादन का समर्थन करने के लिए ज्यादातर देशों में अक्सर अपनी सरकारों से सबसिडी और प्रोत्साहन मिलता है। यह सबसिडी दायरे और प्रकृति में व्यापक रूप से भिन्न हो सकती है, लेकिन इनका उद्देश्य आमतौर पर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों के लिए सुरक्षा जाल प्रदान करना और कृषि स्थिरता को बढ़ावा देना है।

आलोचकों का तर्क होता है कि कुछ सबसिडी अनजाने में वैसे चलन को प्रोत्साहित करती हैं, जो उच्च उत्सर्जन को जन्म देती हैं, जैसे सिंथेटिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग। समझना आवश्यक है कि ये सबसिडी मुख्य रूप से आर्थिक और खाद्य सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए बनाई गई हैं। हालांकि अब सरकारें टिकाऊ कृषि पद्धतियों के महत्त्व को पहचान रही हैं।

अब प्रोत्साहनों को कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल तरीकों को बढ़ावा देने की दिशा में निर्देशित किया जा रहा है। इसके अलावा, सरकार द्वारा अधिक टिकाऊ कृषि प्रौद्योगिकियों के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश करना आवश्यक है। इसमें कम उत्सर्जन वाले पशुधन चारे का विकास और खेतों पर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना शामिल है। सटीक कृषि जैसे नवाचार, जिसमें फसल और पशुधन उत्पादन को अनुकूलित करने के लिए डेटा और प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल है, संसाधन अपव्यय और उत्सर्जन को काफी कम कर सकते हैं।

किसानों के टिकाऊ कृषि की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रभावी नीतियां महत्त्वपूर्ण हैं। सरकारों को नियमों और प्रोत्साहनों के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल खेती के तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और वित्तीय रूप से समर्थन देना जारी रखना चाहिए।

इसमें जैविक खेती, कृषि वानिकी और सटीक कृषि जैसी प्रथाओं के लिए प्रोत्साहन शामिल हैं, जिनमें उत्सर्जन को कम करने की क्षमता है। कृषि पद्धतियों को आकार देने में उपभोक्ता भी भूमिका निभाते हैं।

टिकाऊ और पर्यावरण के प्रति जागरूक खेतों से उत्पाद चुनकर वे इस तरह के चलन को प्रोत्साहित कर सकते हैं और बाजार में बदलाव में योगदान दे सकते हैं। साथ ही शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम किसानों को उनकी प्रथाओं के पर्यावरणीय प्रभाव और अधिक टिकाऊ दृष्टिकोण में परिवर्तन के लाभों को समझने में मदद कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई एक वैश्विक प्रयास है, जिसमें समाज के सभी क्षेत्रों के सहयोग की आवश्यकता है। योगदानकर्ता और संभावित शमनकर्ता, दोनों के रूप में किसानों की बहुमुखी भूमिका को पहचानना आवश्यक है।

किसानों को कठघरे में खड़ा करने के बजाय हमें पर्यावरण और कृषि, दोनों जरूरतों को पूरा करने वाले समाधान खोजने की जरूरत है। सरकारों, समाजों और कृषि उद्योग को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों में परिवर्तन की सुविधा के लिए आवश्यक समर्थन, प्रोत्साहन और शिक्षा प्रदान करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर्यावरण संरक्षण के साथ खाद्य उत्पादन की आवश्यकता को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

समेकित शिक्षा का तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन आज

दिव्यांग बच्चों के लिए उपयोगी है प्रशिक्षण : बीएसए अनिल कुमार

प्रयागराज। विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के प्रति विद्यालयों को अधिक समावेशी एवं संवेदनशील बनाए जाने के उद्देश्य से परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत सहायक अध्यापकों के लिए समावेशी शिक्षा विषय पर जनपद स्तरीय तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण गुरूवार तक संचालित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीएसए अनिल कुमार एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रेनू सिंह, प्रवक्ता (मनोविज्ञानशाला) ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से किया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने प्रशिक्षण की महत्ता, गुणवत्ता एवं व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम समावेशी शिक्षा को

सशक्त बनाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे तथा दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को संवेदनशील, दक्ष एवं जागरूक बनाकर विद्यालयों को सभी बच्चों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने योग्य बनाना है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रयागराज के निर्देशन में विकास पांडे, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा के कुशल संयोजन में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के 48 स्पेशल एजुकेटर्स को समावेशी शिक्षा, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान, सहयोगात्मक शिक्षण विधियों एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। प्रशिक्षण में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर ज्ञानेश्वर एवं दिनेश कुमार (स्पेशल एजुकेटर) ने प्रतिभागियों को विषयगत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मनोविज्ञानशाला प्रयागराज की प्रवक्ता श्रीमती रेनू सिंह ने समावेशी शिक्षा से जुड़े आवश्यक मनोवैज्ञानिक बिंदुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया, जिससे शिक्षकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में राजीव त्रिपाठी, जिला समन्वयक मध्यान्ह भोजन राजीव त्रिपाठी शामिल हुए।

500 का स्वास्थ्य परीक्षण कर दी गयी दवाएं, मेजा के जेवनियां में तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

शिवसेना उत्तर प्रदेश की ओर से बड़ी पहल, मेदांता अस्पताल के सहयोग से जनसेवा अभियान प्रारंभ

प्रयागराज। मेजा के जेवनियां एवं शंभूकापूरा में शिवसेना उत्तर प्रदेश तथा दिव्यांगोत्थान श्रीराम सेवा ट्रस्ट की ओर से बुधवार से तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। यह शिविर शिवसेना की स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सराहनीय और जनकल्याणकारी पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें देश की सुप्रसिद्ध मेदांता अस्पताल, लखनऊ के विशेषज्ञ चिकित्सकों का सहयोग प्राप्त हुआ है। पहले दिन 500 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाएं दी गयी।

शिविर का उद्घाटन प्रेमनाथ मिश्र (भट्टू), रमाकांत मिश्र एवं रामखेलावन हरिजन ने शिवसेना प्रदेश सचिव श्रीमती रुचि अभिषेक तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति में किया । उद्घाटन अवसर पर जनसेवा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के दौरान शिवसेना के जिला प्रमुख शिव उपाध्याय ने चिकित्सकों एवं वरिष्ठ नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि शिवसेना की ओर से ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना जरूरतमंदों के लिए वरदान सिद्ध हो रहा है।

शिविर में लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल से आए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. हिमांशु पाण्डेय के नेतृत्व में स्टाफ सदस्य नसीम, प्रभात, सुशील एवं अमिता सेवाएं दे रही हैं। वहीं प्रयागराज के मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल से डॉ. शालिनी, डॉ. तिलक पाल एवं डॉ. अंकित ने भी शिविर में मरीजों की जांच कर परामर्श दिया।

शिविर के प्रथम दिन लगभग 500 मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यक दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। इस पहल से क्षेत्रीय जनता को बड़ी राहत मिली है और शिविर को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान दिनकर मिश्र, बसंत शुक्ल, शिवाकांत दुबे, राजनाथ सिंह, दीपक गौड़, विकास तिवारी, अमित कुमार, रतन कुमार, आनंद तिवारी, विनय तिवारी, रोहित शुक्ल, शुभम तिवारी, आशीष तिवारी, अमित मिश्र, सबल तिवारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग एवं शिवसेना कार्यकर्ता शामिल हुए। स्वास्थ्य शिविर के संयोजक श्री रुचि अभिषेक तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 19 दिसंबर तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिवसेना एवं मेदांता अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीआईजी होमगार्ड पीयूषकांत को राष्ट्रपति पदक से किया सम्मानित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के होमगार्ड विभाग में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले पीयूष कांत डीआईजी होमगार्ड को सम्मानित किया। पूर्वी जोन प्रयागराज के डीआईजी होमगार्ड पीयूष कांत को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान प्राप्त करते ही होमगार्ड विभाग के अधिकारियों एवं जवानों में हर्ष की लहर दौड़ गई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मान समारोह के दौरान कहा कि होमगार्ड विभाग आपदा प्रबंधन, कानून-व्यवस्था, धार्मिक आयोजनों एवं जनसुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग के अधिकारी एवं जवान विषम परिस्थितियों में भी निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं। राष्ट्रपति पदक से सम्मानित डी आई जी पीयूष कांत ने अपने कर्तव्यनिष्ठ आचरण, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता से विभाग की गरिमा को बढ़ाया है।डीआईजी होमगा ड पीयूष कांत ने वर्ष 1997 में होमगार्ड विभाग में जिलाकमांडेंट के पद पर प्रथम कार्यभार ग्रहण किया था। इसके पश्चात उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए विभागीय कार्यों को कुशलता से संपादित कर रहे है वर्तमान में पूर्वी जोन प्रयागराज में डीआईजी होमगार्ड के पद पर कार्यरत

हैं और उनके मार्गदर्शन में प्रयागराज जोन में होमगार्ड विभाग को नई दिशा मिली है। डी आई जी पीयूष कांत मूल रूप से कानपुर नगर के निवासी हैं। अपने लंबे सेवाकाल के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण, अनुशासन एवं अन्य विभागीय कार्यों व आयोजनों की व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय योगदान दे रहे है उनकी सेवाओं को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उन्हें राष्ट्रपति पदक से नवाजा गया है, जो न केवल उनके लिए बल्कि पूरे होमगार्ड विभाग के लिए गौरव की बात है। बुधवार को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित डीआईजी पीयूष कांत को डी डी मौर्य डिवीजनल कमांडेंट रजीत सिंह जिला कमांडेंट प्रयागराज उपेंद्रनाथ ओझा वरिष्ठ सहायक विभाकर मिश्र अजय यादव अजय पाल एवं अन्य अधिकारियों कर्मचारियों ने बधाई दी

हरि भजन से ही प्रभु के निकट पहुंच सकते हैं : डाक्टर अनिरुद्ध जी महाराज

प्रयागराज। दिव्य अध्यात्म राष्ट्र सेवा मिशन प्रयागराज एवं दिव्य श्री राधा सखी मंडल के द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में भक्तमाल कथा के द्वितीय दिवस पर प्रखर राष्ट्र चिंतक डॉ अनिरुद्ध जी महाराज ने भक्तों कथा का श्रवण कराते हुए कहा कि श्री हरि विष्णु के भक्तो की श्रृंखला ही भक्तों की माला ही भक्तमाल है और कहा कि हरि भजन से ही प्रभु के निकट पहुंच सकते है और कोई दूसरा मार्ग नहीं है आज कि कथा में भगवान के भक्त राजा चित्रकेतु, नर नारायण की भक्ति की कथा का वर्णन किया गया। कथा का संचालन प्रभारी राजेश केसरवानी ने किया। कथा में संरक्षक कुमार नारायण, प्यारेलाल जायसवाल, सुशील जैन, शिवबाबू त्रिपाठी, अजय जायसवाल, अभिलाष केसरवानी, विमला जायसवाल, संतोष चौरसिया साधना चतुर्वेदी, किशन चंद्र जायसवाल, ऊषा केसरवानी, रजनी जायसवाल, सीता जायसवाल, राधा जायसवाल सिपाही लाल और सैकड़ो भक्तों ने आरती की और कथा का श्रवण किया।

संगमनगरी में बनने वाले रामसेतु का डीपीआर तैयार

प्रयागराज। जनपद में रामसेतु का डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार हो गया है, महापौर गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय सिविल लाइंस में सेतू निगम, आर की टेक, और नगर निगम के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की आगे की रणनीति पर चर्चा हुई, इस बैठक में दिल्ली से आए आर की टेक के भी मुख्य अधिकारी उपस्थित रहें ।

महापौर के अनुसार, यह पुल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक होगा, साथ ही नगर निगम की आय में भी वृद्धि करेगा। रामसेतु का निर्माण नए यमुना पुल के बगल से शुरू होकर शिवालय पार्क तक होगा, और इसमें देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी लगाई जाएंगी, रामसेतु के डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) के तैयार होने की खबर उत्साहजनक है, महापौर के अनुसार, जल्द ही वे बड़े नेताओं और उच्च अधिकारियों से बातचीत करके इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए फंडिंग सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। बैठक में सेतु निगम के प्रोजेक्ट मेनेजर रोहित मिश्रा नगर निगम के अधिशाषी अभियंता अजीत कुमार, अनिल मौर्य, अवर अभियंता राम सक्सेना, एवं आर की टेक के अधिकारी उपस्थित रहे ।

प्रियंका चोपड़ा से प्रेरित है जगद्धात्री का एक्शन स्टाइल सोनाक्षी बत्रा ने किया खुलासा

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो जगद्धात्री इन दिनों अपनी तेज़ रफ्तार कहानी, जबर्दस्त ड्रामा और दमदार एक्शन सीन्स के चलते दर्शकों का फेवरेट बन गया है। शो की कहानी एक ऐसी लड़की के सफर को दिखाती है, जिसे अपने ही घर में अनसुना किया जाता है, लेकिन वही लड़की आगे चलकर एक निडर अंडरकवर एजेंट बन जाती है। अपनी मां की मौत की असली वजह की तलाश करते हुए जगद्धात्री खतरनाक अपराधियों से लड़ती है, और ऐसे में उनका हर दिन और दिलचस्प होता जा रहा है। शो में फरमान हैदर, सायंतनी घोष, गीता त्यागी समेत कई कलाकार खास रोल्स में नज़र आ रहे हैं। इस शो में टाइटल रोल निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा अपने एक्शन सीक्वेंस से दर्शकों को खासा इंप्रेस कर रही हैं।

सोनाक्षी ने बताया कि प्रियंका किस तरह उनके काम को प्रभावित करती हैं। वो कहती हैं, 'प्रियंका चोपड़ा की परफॉर्मेंस में जो बात सबसे अलग नजर आती है, वो यह है कि वह एक्शन के साथ साफ जज़्बात भी दिखाती हैं। उनके एक्शन में सिर्फ ताकत नहीं, मकसद भी होता है। उनके सीन में हर मूव साफ और सोच समझकर किया हुआ लगता है। मैं चाहती हूं कि 'जगद्धात्री' के एक्शन सीन भी ऐसे ही हों, ज्यादा शार्प, ज्यादा रियल और किरदार से जुड़े हुए। जगद्धात्री सिर्फ विलेन से नहीं लड़ रही, वो अपने उसूलों, अपने लोगों और अपनी अंदर की ताकत के लिए लड़ रही है। हर एक्शन सीन में वही जुनून लाना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी खुशी है।'

जीजीआईसी सिविल लाइंस का वार्षिकोत्सव, पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

महापौर, पूर्व सचिव, जेडी, डीआईओएस ने छात्राओं को किया प्रोत्साहित

महापौर ने सबमर्सिबल पंप, एक हैंडपंप, आरओ, वाटर कूलर प्रदान दिया

प्रयागराज। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस, प्रयागराज में जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज पीएन सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम मिश्रा के संयोजकत्व में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन आज किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी महापौर, विशिष्ट अतिथि यूपी बोर्ड के पूर्व सचिव और विद्या भारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल, जेडी आरएन विश्वकर्मा एवं एडीआईओएस जितेंद्र प्रताप सिंह थे।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां शारदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया। प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम मिश्रा, लता कुमारी एवं किरन राय ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम एवं स्मृतिचिह्न प्रदान करते हुए अभिनंदन किया। छात्राओं ने रोली अक्षत से अतिथियों का स्वागत और डॉ आकांक्षा केसरी (स्काउट प्रभारी) ने बैज अलंकरण किया। डीआईओएस प्रयागराज पीएन सिंह ने स्वागत अभिभाषण में कहा कि शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, प्रयागराज की छात्राओं ने शिक्षा के साथ साथ खेल एवं अन्य कार्यक्रमों में भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, गणेश वंदना, स्वागत गीत, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न प्रांतों के लोकनृत्य, जागरूकता संबंधी नाटक एवं विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज प्रयागराज में गत सत्र

में कक्षा 6 से 12 तक हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम की प्रत्येक कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं, राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं, राज्य स्तर पर क्रिकेट टीम में चयनित रानी यादव व कराटे में चयनित रितु पटेल, मंडल स्तरीय कबड्डी टीम में चयनित तथा अन्य शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका सम्मान व उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक जनवरी 2026 या उससे पूर्व 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाली छात्राओं द्वारा फॉर्म 6 भरवाया गया तथा सभी छात्राओं एवं अभिभावकों को जागरूक किया गया। विशिष्ट अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रयागराज मंडल आरएन विश्वकर्मा ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए सफलता की कुंजी के रूप में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं निरंतरता के महत्व पर बल दिया।

पूर्व सचिव यूपी बोर्ड एवं अध्यक्ष विद्याभारती पूर्वी उत्तर प्रदेश दिव्यकांत शुक्ल ने शिक्षा के साथ - साथ सामाजिक चेतना के केंद्र के रूप में विद्यालय की भूमिका को रेखांकित किया तथा समाज में आत्मीयता, एकात्मकता के मूल्य तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के संरक्षण को आवश्यक बताया।

मुख्य अतिथि महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने छात्राओं एवं शिक्षिकाओं की प्रशंसा करते हुए उपहार स्वरूप विद्यालय को एक सबमर्सिबल पंप, एक हैंडपंप एवं आरओ वाटर कूलर प्रदान करने की घोषणा की। एडीआईओएस जितेंद्र प्रताप सिंह ने प्रेरक कविता तथा लघु कथा के माध्यम से छात्राओं को जागरूक एवं अभिप्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती प्रज्ञा मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया गया। संचालन श्रीमती वंदना आनंद ने किया। इस अवसर पर डॉ प्रभाकर त्रिपाठी, इरशाद मसूरी, रवींद्र मिश्र, डॉ पारुल यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रश्मि सिंह, डॉ रंजना यादव, कनिका यादव, इफ़्फ़त जिया, वंदना, अनीता उत्तम, रेखाराम, मंजू श्रीवास्तव, संध्या सैलानी, पल्लवी, रूपाली, पुष्पा शुक्ला, ज्योति अग्रवाल, मनीषा, वंदना पांडे सहित सभी शिक्षिकाओं ने सहयोग किया।

पूर्व महापौर ने मंत्री नन्दी एवं समर्थकों के साथ केक काटकर मनाया अपना जन्मदिन

मुट्ठीगंज स्थित कार्यालय पर विभिन्न क्षेत्रों से आए पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों ने दी शुभकामनाएं

प्रयागराज। पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी का जन्मदिन बुधवार को मुट्ठीगंज स्थित कार्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूर्व महापौर ने केक काटकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों, मित्रों और शुभचिंतकों ने सैकड़ों की संख्या में केक काटकर व अंगवस्त्रम पहनाकर हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाइयां दीं।

मंत्री नन्दी ने भी प्रयागराज की लगातार दो बार ऐतिहासिक बहुमत से महापौर रहीं जीवनसाथी अभिलाषा गुप्ता नन्दी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामना दी।

मंत्री नन्दी ने कहा कि पूर्व महापौर ने जीवन में तमाम कठिनाइयों, चुनौतियों एवं परिस्थितियों को अपने जीवटता, हिम्मत और धैर्य से पराजित किया। शिला जैसा हौसला और महासागर जैसा सहनशीलता आपके व्यक्तित्व की विशेषता है!

पारिवारिक एवं सार्वजनिक दायित्वों के बीच संतुलन साधते हुए आपने जनसेवा और लोकप्रियता के अनेकों मानक स्थापित किए।

अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि 'यह दिन मेरे लिए विशेष है, और मैं इसे समाज के प्रति अपना योगदान देने के संकल्प के साथ मनाती हूँ। सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।

इस अवसर पर प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला, महिला व्यापार मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अवंतिका टण्डन, इलाहाबाद मशीनरी डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष अंबरीश खुराना, पूर्व अध्यक्ष राणा नायर, इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष गुरफान अहमद, इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष राजीव नायर, अखिलेश सिंह, इलाहाबाद केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल दुबे, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश गोंड़, यमुनापार पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति, दीप द्विवेदी, मुट्ठीगंज मंडल प्रभारी देवेन्द्र मिश्र, मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष परमानन्द वर्मा, चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, कीडगंज मंडल अध्यक्ष कबीर जायसवाल, मीरापुर मंडल अध्यक्ष गया निषाद, नैनी मंडल अध्यक्ष रजत दुबे गौरव मिश्र, आलोक सिंह, विवेक साहू, अनूप मिश्र रिषभ लाला एवं अन्य पदाधिकारी व देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माघ मेला में दुकानों का आवंटन 26 से, आज से लें जानकारी

प्रयागराज। माघ मेला 2025 - 26 के अवसर पर मेला क्षेत्र के सेक्टर-3 (परेड क्षेत्र) में त्रिवेणी रोड जगदीश रैम्प के क्रासिंग पर अस्थायी दुकानों का आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाना है। दुकानों का आवंटन 26 दिसम्बर को पूर्वाह्न 11:00 बजे से प्रयागराज मेला प्राधिकरण के कार्यालय में किया जायेगा। अस्थायी दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया एवं नियम एवं शर्तों की जानकारी गुरूवार को 18 दिसम्बर को अपरान्ह 04:00 बजे से प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्राप्त की जा सकती है। यह जानकारी मेलाधिकारी द्वितीय दयानंद प्रसाद (आईएएस) ने आज दी है।

अधिवक्ता अधिकार यात्रा के बाद आज इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता बंधुओ ने प्रेस वार्ता की और अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर बताया कि अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू होना चाहिए बुजुर्गों को पेंशन योजना लागू होना चाहिए अधिवक्ता को टोल टैक्स माफ होना चाहिए सभी अधिवक्ताओं को 20 लाख का जीवन बीमा होना चाहिए उत्तर प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं के लिए चैंबर उपलब्ध होना चाहिए नए अधिवक्ता साथियों को 3 साल तक प्रोत्साहन राशि उपलब्ध होनी चाहिए हाई कोर्ट प्रत्येक तहसील व जिला कचहरी में मेडिकल सुविधा एवं 100 बेड का हॉस्पिटल होना चाहिए यह मांगे अगर उनकी नहीं मांगी जाती हैं तो या फरवरी के बाद बड़ा आंदोलन करेंगे।

भिवंडी मनपा चुनाव और नए साल के शुरू होने से पहले आबकारी विभाग की बड़ी छापेमारी

गोवा में बनी 1 करोड़ रुपये की विदेशी शराब जब्त, कंटेनर चालक गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। क्रिसमस और नए साल के दौरान शराब की बिक्री में तेजी के साथ-साथ इसकी तस्करी भी बढ़ रही है। इसी तरह आबकारी विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड ने भिवंडी में छापा मारकर 1 करोड़ 91 हजार 880 रुपये मूल्य की गोवा में बनी विदेशी शराब के 711 बाक्स जब्त किए, साथ ही मध्य प्रदेश में बिक्री के लिए तैयार एक कंटेनर भी कब्जे में लिया और कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया।

उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड को सूचना मिली थी कि गोवा में बनी विदेशी शराब एक कंटेनर में ले जाई जा रही है। तदनुसार, फ्लाइंग स्क्वाड, आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर दीपक परब और स्क्वाड के आर.वी. सनप, टी.सी. चव्हाण, द्वितीय इंस्पेक्टर एन.जे. शिरसाठ, आर.एम. राठौड़, के.एस. वाजे और एन.ए. लोखंडे ने जाल बिछाकर मुंबई-नासिक राजमार्ग पर सुबह लगभग 9:30 बजे राजनोली गांव के इलाके में संदिग्ध कंटेनर नंबर NL 01 AB 7168 को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान, कंटेनर में रॉयल सेलेक्ट डीलक्स व्हिस्की और रॉयल ब्लू व्हिस्की के 711 डिब्बे विदेशी शराब बरामद हुई। स्क्वाड ने शराब और कंटेनर को जब्त कर लिया और चालक आसिफ आस मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया। आबकारी इंस्पेक्टर दीपक परब इस मामले की आगे की जांच कर रहे हैं।

अवैध ऑनलाइन लॉटरी और जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा

महिला ऑपरेटर समेत तीन पर केस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में अवैध ऑनलाइन लॉटरी और जुए के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला ऑपरेटर समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शांतीनगर पुलिस स्टेशन की टीम ने छापा मारकर ऑनलाइन जुए के एक अड्डे का भंडाफोड़ किया, जहां से मोबाइल फोन समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, 16 दिसंबर की शाम करीब 5.40 बजे शांतीनगर पुलिस को सूचना मिली थी कि एन.एन.आर्केड,एसटी बस डिपो के सामने, यूनानी दवाखाने के पास स्थित एक इमारत के कमरे में अवैध ऑनलाइन लॉटरी और जुए का संचालन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। छापे के दौरान पुलिस ने ऑनलाइन जुए में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन और अन्य सामग्री बरामद की। जब्त किए गए माल की कुल कीमत करीब 33,470 रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई में गिरफ्तार महिला आरोपी की पहचान वर्तिका उमेश राय (23) के रूप में हुई है, जो अंबिवली, डॉ. आंबेडकर चौक, कल्याण की रहने वाली बताई जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला अपने साथियों के साथ मिलकर अनधिकृत ऑनलाइन लॉटरी और जुए का सेंटर चला रही थी,मामले में विदेय सागर और मोहम्मद अली के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ लॉटरी (विनियमन) अधिनियम की धारा 7(3) तथा मुंबई जुआ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध नेटवर्क से और कितने लोग जुड़े हुए हैं और इसका संचालन किस स्तर तक फैला हुआ है। फिलहाल शांतीनगर पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अवैध जुए के इस नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त करने के प्रयास जारी हैं।

महिला से सोने की चेन छीनकर फरार हुआ छपटमार युवक

भिवंडी।भिवंडी शहर के काल्हेर इलाके में एक महिला से सोने की चेन छीनने की घटना सामने आई है। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात छपटमार युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है,पुलिस के अनुसार, पीड़िता जयश्री शरद पाटील (63) 16 दिसंबर की शाम करीब 6:30 से 6:45 बजे के बीच मछली मार्केट, काल्हेर स्थित तन्वी अपार्टमेंट के सीढ़ियों पर चढ़ रही थी। इसी दौरान एक अज्ञात युवक ने उनसे पता पूछने के बहाने नजदीक आकर अचानक उनके गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि छीनी गई सोने की चेन की कीमत करीब 62 हजार रुपये है। आरोपी की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसने हल्के रंग की फुल टी-शर्ट, काले रंग की फुल पैंट और पीछे काले रंग की सैचेल बैग पहन रखी थी। घटना के बाद पीड़िता ने नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) के तहत अपराध दर्ज किया है,पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। सहायक पुलिस निरीक्षक धनराज केदार इस घटना की जांच कर रहे है।

भिवंडी मनपा के कौशल एवं लघु उद्यम प्रशिक्षण पर महिलाओं का अच्छा प्रतिसाद,200 महिलाओं ने कराया पंजीकरण

भिवंडी। कौशल एवं लघु उद्यम विकास गतिविधियों को लागू करने के लिए 3 दिसंबर को भिवंडी मनपा और महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।इसके तहत कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए मनपा मुख्यालय में पंजीकरण प्रक्रिया चल रही है और सैकड़ों महिलाएं पंजीकरण कराने और जानकारी लेने के लिए वहां आ रही हैं।

महिला कल्याण और उद्यमिता सशक्तिकरण पर केंद्रित एक पहल के तहत, महिलाओं को फैशन, आभूषण डिजाइन, सौंदर्य प्रसाधन, वेलनेस सेवाएं, खाद्य प्रसंस्करण और पाक उत्पाद, हस्तनिर्मित साबुन, मोमबत्ती, नैपकिन, गुलदस्ते और सुगंधित उत्पाद, पावरलूम उद्योग आधारित कौशल विकास, लॉजिस्टिक्स संचालन और डेटा एंट्री में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके लिए, महिलाओं के लिए मार्गदर्शन और पंजीकरण पिछले सप्ताह मनपा मुख्यालय के भूतल पर शुरू हुआ। इस सप्ताह के दौरान 250 से अधिक महिलाओं ने इस पहल में भाग लेकर अपना नाम दर्ज कराया है। इन पंजीकृत महिलाओं को भिवंडी शहर में ही प्रशिक्षण दिया जाएगा और रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

आभूषण व्यापारी से ढाई लाख की सोने के आभूषण लेकर ठग फरार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के नारपोली इलाके में एक ज्वेलर्स दुकानदार से सोने की बालियां लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता बृजलाल पृथ्वीराज जैन (59) ज्वेलर्स का व्यवसाय करते हैं और नारपोली गांव के दुकान चलाते हैं। 15 दिसंबर की रात करीब 8:40 बजे एक अज्ञात व्यक्ति उनकी दुकान पर आया और कान की बालियां खरीदने की बात कही। बातचीत के दौरान आरोपी ने भरोसा जीतते हुए सोने की बालियां देखने के लिए मांगी। आरोप है कि जैसे ही दुकानदार ने करीब 2 लाख 50 हजार 500 रुपये कीमत की सोने की बालियां एक ट्रे में रखकर आरोपी को दिखाई, वह बहाने से बालियां लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद दुकानदार ने तत्काल नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई,पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 304 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑटो रिक्शा ड्राइवर ने महिला को अश्लील मैसेज भेजकर किया परेशान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी शहर में एक महिला को मोबाइल फोन पर अश्लील संदेश भेजकर मानसिक रूप से परेशान करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में शांतीनगर पुलिस ने शकील शब्बीर शेख नामक रिक्शा ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता 32 वर्षीय महिला जो भिवंडी के एक इलाके की निवासी है और निजी नौकरी करती है। 16 दिसंबर को जब वह अपने घर पर मौजूद थी, तभी उसके मोबाइल फोन पर व्हाट्सएप के माध्यम से एक गुलाब के फूल की तस्वीर भेजी गई, जिसके साथ अंग्रेज़ी में लिखा था – 'Beautiful roses for a beautiful lady'~ महिला का आरोप है कि यह संदेश एक अज्ञात रिक्शा ड्राइवर द्वारा भेजा गया, जिससे उसे मानसिक रूप से असहजता और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मोबाइल नंबर और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ भी की जा रही है। हालांकि इस प्रकरण की जांच पुलिस उप निरीक्षक आनंद राठोड कर रहे हैं।

छपटमार चेन स्नैचिंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

20 से अधिक मामलों में था वांछित. पुलिस ने लगाया था मकोका, 30 लाख का आभूषण बरामद

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी और आसपास के इलाकों में महिलाओं को निशाना बनाकर चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर छपटमार गिरोह के मुख्य आरोपी को भिवंडी अपराध शाखा यूनिट -2 पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ चेन स्नैचिंग, चोरी और लूट के कुल 20 मामले विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आबिंवली कल्याण निवासी अब्बास उर्फ व बडडा युनुस सय्यद (21) लंबे समय से फरार था और लगातार अपनी पहचान बदलकर वारदातों को अंजाम दे रहा था। आरोपी खासतौर पर सुबह और शाम के समय अकेली महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाता था। वारदात के बाद वह तेज़ी से बाइक से फरार हो जाता था।

पुलिस को आरोपी की गतिविधियों की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने कई चेन स्नैचिंग की वारदातों में अपनी संलिप्तता कबूल की है। पुलिस उसके पास से 30 लाख 22 हजार 500 रूपये के सोने का आभूषण भी बरामद किया है। पुलिस अब उससे जुड़े अन्य अपराधों और उसके साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी से भिवंडी, नारपोली, शांतीनगर और आसपास के इलाकों में हुई कई चेन स्नैचिंग की गुत्थी सुलझने की उम्मीद है। आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की गई है। इस कार्रवाई में भिवंडी अपराध शाखा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे के नेतृत्व में पुलिस उप निरीक्षक रविंद्र पाटिल व उनकी टीम ने की है।

दुश्मन पर कड़ा आघात करने के लिए नई रणनीति, सेना ने विशेष सैन्य ट्रेन के जरिए कश्मीर घाटी में टैंक और तोपखाने शामिल किए!

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने एक विशेष सैन्य ट्रेन का उपयोग करके कश्मीर घाटी में टैंक, तोपें और इंजीनियरिंग उपकरण सफलतापूर्वक पहुँचाकर रसद के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की। इस अभियान से भारत की उत्तरी सीमाओं पर सेना की गतिशीलता, त्वरित प्रतिक्रिया और परिचालन तत्परता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। एक व्यापक सत्यापन अभ्यास के तहत, टैंक, तोपें और डोजर सहित भारी युद्धक और सहायक उपकरण जम्मू क्षेत्र से दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग तक सुचारू रूप से पहुँचाए गए। इस अभ्यास ने कठिन भूभाग और खराब मौसम की स्थिति के बावजूद संवेदनशील और उच्च ऊंचाई वाले परिचालन क्षेत्रों में भारी संसाधनों को तेजी से जुटाने की सेना की बढ़ी हुई क्षमता को प्रदर्शित किया।

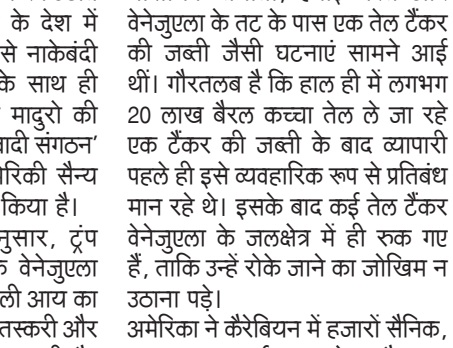

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना रणनीतिक शक्ति गुणक के रूप में उभरी

रेलवे मंत्रालय के साथ घनिष्ठ समन्वय में सफलतापूर्वक की गई इस परियोजना ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के बढ़ते रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया। मूल रूप से एक कनेक्टिविटी पहल के रूप में परिकल्पित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक अब जम्मू और कश्मीर में त्वरित रसद निर्माण और सतत सैन्य अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभरी है।

तेज़ तैनाती, मज़बूत आपूर्ति श्रृंखलाएँ

रेल मार्ग से भारी बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने की तैनाती से तैनाती का समय काफी कम हो जाता है और सड़क काफिलों पर निर्भरता घट जाती है, जो अक्सर मौसम और भौगोलिक बाधाओं से प्रभावित होते हैं। यह क्षमता शांतिपूर्ण तैनाती और संघर्ष दोनों स्थितियों में अधिक विश्वसनीय और निर्बाध आपूर्ति श्रृंखलाएँ सुनिश्चित करती है।

तैयारी और प्रतिरोध क्षमता में वृद्धि

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कश्मीर घाटी में बख्तरबंद और तोपखाने संपत्तियों की सफल तैनाती से भारतीय सेना की परिचालन लचीलता और प्रतिरोध क्षमता मजबूत होती है। बयान में आगे कहा गया है कि रेल द्वारा त्वरित लामबंदी से सेनाएं कम समय में महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुदृढ़ कर सकती हैं, जिससे सैन्य अभियानों के पूरे स्पेक्ट्रम में तैयारी बढ़ती है। सत्यापन अभ्यास संयुक्त योजना और अंतर-एजेंसी समन्वय पर सेना के जोर को भी दर्शाता है, जो राष्ट्रीय अवसंरचना विकास को दीर्घकालिक सैन्य रसद आवश्यकताओं के साथ संरेखित करता है।

रेल कौशल विकास योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 5862 लाभार्थियों सहित देश भर के 31839 युवाओं को किया गया प्रशिक्षितः रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

रेल कौशल विकास योजना उत्तर प्रदेश के 14 प्रशिक्षण केन्द्रों सहित देशभर में स्थापित 98 प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से 16 तकनीकी शिल्पों में निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करता हैः रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

गोरखपुर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को सूचित किया कि भारतीय रेल ने प्रशिक्षण के लिए एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि यह मुख्य रूप से रेलवे के कर्मचारियों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उनके करियर के विभिन्न चरणों में प्रभावी कौशल विकास, पुनः कौशल विकास और कौशल संवर्धन के लिए संरचित प्रशिक्षण प्रदान करता है। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि इसमें सहयोग देने के लिए भारतीय रेल ने सभी क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों में प्रशिक्षण केंद्रों का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित किया है। एक जोन के अंतर्गत भी ये प्रशिक्षण केंद्र मंडलों या कारखानों में विभिन्न स्थानों पर फैले हुए हैं।

केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि युवाओं में रोजगार क्षमता बढ़ाने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवे ने रेल कौशल विकास योजना शुरू की है, जो 16 तकनीकी शिल्पों को समाहित करने वाला अखिल भारतीय प्रवेश स्तर का कौशल विकास कार्यक्रम है। यह योजना सितंबर 2021 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को वेतनभोगी रोजगार या स्वरोजगार के लिए सशक्त बनाना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेल कौशल विकास योजना के तहत देश भर में फैली क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के 98 प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षुओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। देश के किसी भी भाग के अभ्यर्थी इस प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। इनमें से निम्नलिखित 14 प्रशिक्षण केंद्र उत्तर प्रदेश में - पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र, यांत्रिक रेलइंजन कारखाना/लखनऊ, तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र, बनारस रेलइंजन कारखाना/वाराणसी, मंडल प्रशिक्षण केन्द्र/सवारी एवं माल डिब्बा कारखाना/इज्जतनगर, विद्युत प्रशिक्षण केंद्र/गोरखपुर, आधारभूत प्रशिक्षण केंद्र, माल डिब्बा कारखाना/झाँसी, आधारभूत प्रशिक्षण केंद्र, यांत्रिक कारखाना/बरेली, बहु-विषयक मंडलीय प्रशिक्षण संस्थान/वाराणसी, सवारी एवं माल डिब्बा प्रशिक्षण केंद्र/गाजियाबाद, पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र/झांसी, कारखाना प्रशिक्षण केंद्र/यांत्रिक कारखाना/गोरखपुर, मंडल प्रशिक्षण केन्द्र/सवारी एवं माल डिब्बा कारखाना/लखनऊ, तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र, आधुनिक सवारी डिब्बा कारखाना/लालगंज, सिगनल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र/गाजियाबाद एवं विद्युत कर्षण प्रशिक्षण केंद्र/चंदौली हैं ।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा इस योजना के आरंभ से ही, देश भर के 31,839 युवाओं को रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत निर्दिष्ट रेल प्रशिक्षण केंद्रों में अल्पकालिक तकनीकी कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इनमें से, 5,862 युवा उत्तर प्रदेश के हैं, जिनमें से 64 सहारनपुर जिले के हैं। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

16 वर्षीय मासूम का अपहरण

भिवंडी। शहर के अंजूरफाटा इलाके से 1 6 वर्षीय बच्चे के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है,पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता आजाद इमाजुद्दीन शेख (52) अपने परिवार के साथ अंजूरफाटा परिसर में रहते हैं। 15 दिसंबर की शाम करीब 4:30 बजे

उनका 16 वर्षीय बेटा घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने मौके का फायदा उठाते हुए बच्चे को बहला-फुसलाकर या जबरन अपने साथ ले गया।ःपरिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बच्चे की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की हैं। इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और रेलवे स्टेशन, बस अड्डों समेत आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। जिसकी आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक होलकर कर रहे है।

ट्रंप का वेनेजुएला पर चौतरफा वारः तेल टैंकरों पर नाकेबंदी, मादुरो सरकार 'आतंकी संगठन' घोषित

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए प्रतिबंधित तेल टैंकरों के देश में आने-जाने पर 'पूरी तरह से नाकेबंदी का आदेश दिया है। इसके साथ ही ट्रंप ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' करार देते हुए क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने का ऐलान किया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि वेनेजुएला की सरकार तेल से होने वाली आय का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध के लिए कर रही है। इस घोषणा से पहले भी कैरेबियाई क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ था, जहां अमेरिकी नौसैनिक तैनाती, हवाई गश्त और वेनेजुएला के तट के पास एक तेल टैंकर की जब्ती जैसी घटनाएं सामने आई थीं। गौरतलब है कि हाल ही में लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल ले जा रहे एक टैंकर की जब्ती के बाद व्यापारी पहले ही इसे व्यवहारिक रूप से प्रतिबंध मान रहे थे। इसके बाद कई तेल टैंकर वेनेजुएला के जलक्षेत्र में ही रुक गए हैं, ताकि उन्हें रोके जाने का जोखिम न उठाना पड़े।

अमेरिका ने कैरेबियन में हजारों सैनिक, लगभग एक दर्जन युद्धपोत और एक वॉरशिप तैनात किए हैं। इसके अलावा

समुद्री निगरानी विमानों और हेलिकॉप्टरों की मदद से शिपिंग मार्गों पर नजर रखी जा रही है। हालांकि व्हाइट हाउस ने नाकेबंदी लागू करने के तरीकों का पूरा ब्योरा नहीं दिया है, लेकिन जानकारों का मानना है कि इसमें अमेरिकी नौसेना और कोस्ट गार्ड की अहम भूमिका होगी। तेल बाजारों ने इस घटनाक्रम पर सतर्क प्रतिक्रिया दी है। कीमतों में हल्की बढ़त देखी गई है क्योंकि आशंका है कि वेनेजुएला के निर्यात में तेज गिरावट आ सकती है। वेनेजुएला रोजाना करीब 10 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है, जिसका बड़ा हिस्सा निर्यात होता है। लंबे समय तक रुकावट रहने पर वैश्विक आपूर्ति से लगभग 10 लाख बैरल प्रतिदिन कम हो सकते हैं, हालांकि फिलहाल आपूर्ति पर्याप्त बताई जा रही है। इस बीच, वेनेजुएला की सरकारी तेल कंपनी पीडीवीएसए पर हुए साइबर हमले से भी निर्यात व्यवस्था प्रभावित हुई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि यदि नाकेबंदी लंबे समय तक चली तो विदेशी मुद्रा आय रुकने से खाद्य और दवाओं की कमी जैसी मानवीय समस्याएं गहरा सकती हैं। मादुरो सरकार ने अमेरिकी कदम को अवैध बताते हुए इसे समुद्री डकैती और आर्थिक युद्ध करार दिया है। कराकस ने कहा है कि वह इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाएगा। ट्रंप की घोषणा से पहले मादुरो ने अमेरिका पर वेनेजुएला के तेल, गैस और खनिज संसाधनों पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगाया था और देश की संप्रभुता की रक्षा का संकल्प दोहराया था।

शुभमन गिल की सीधी गेंदों को ना खेल पाने की कमजोरी चिंता का सबब : बांगड़

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने बुधवार को कहा कि सीधी गेंदों को नहीं खेल पाने की शुभमन गिल की कमजोरी चिंता का सबब है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के तीन मैचों में 32 रन ही बना सके हैं।

जियोस्टार पर गेम प्लान कार्यक्रम में बांगड़ ने कहा कि आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर गिल सहज लग रहे हैं लेकिन सीधी गेंदों को नहीं खेल पा रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'शुरूआत में उसका फुटवर्क काफी सकारात्मक था लेकिन 28 से ज्यादा मैचों में अगर तीन या चार बाउंड्री निकाल दें तो सीधी गेंदों को वह नहीं खेल पा रहा है। सीधी गेंदों के सामने उसका स्ट्राइक रेट बहुत खराब है।' उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह काफी आक्रामक सोच के साथ खेलता है। उसमें गेंद को पीटने की क्षमता है, खासकर कवर्स के ऊपर से जो खास कौशल है।' बांगड़ ने हार्दिक पंड्या के हरफनमौला योगदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से टीम को संतुलन मिलता है।'

आईपीएल नीलामी : पिता की दुकान बिकी और कर्ज भी लेना पड़ा, कार्तिक शर्मा का संघर्ष से करोड़ों तक का सफर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राजस्थान के भरतपुर से निकलकर 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा ने वह कर दिखाया है, जिसका सपना देश के हजारों युवा क्रिकेटर देखते हैं। आईपीएल मिनी ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 14.20 करोड़ रुपए में खरीदकर न सिर्फ बड़ा दांव खेला, बल्कि संघर्ष से करोड़ों तक का सफर करते करते हुए प्रेरक कहानी को राष्ट्रीय मंच भी दिया। लेकिन यह इतना आसान नहीं था क्योंकि इस सफर में उनके पिता की दुकान बिक गई और कर्ज भी लेना पड़ा। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में जगह बनाना कार्तिक के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। इस ऐतिहासिक पल के साथ ही भरतपुर में जश्न का माहौल है और एक साधारण परिवार की असाधारण मेहनत चर्चा में है।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव शत्रुघ्न तिवारी के अनुसार कार्तिक शुरू से ही टी20 फॉर्मेट के लिए बने खिलाड़ी रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता और निडरता साफ दिखती है। अभ्यास के दौरान उनका फोकस हर गेंद पर बाउंड्री लगाने का रहता है। बॉलिंग मशीन पर घंटों पसीना बहाना उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा रहा, जिसने उनकी टाइमिंग और पावर को धार दी।

कार्तिक की सफलता के पीछे उनके पिता मनोज शर्मा का त्याग और संघर्ष छिपा है। बेटे के क्रिकेट सपने को ज़िंदा रखने के लिए उन्होंने अपनी दुकान बेच दी और कर्ज भी लिया। अभ्यास को बेहतर बनाने के लिए बॉलिंग मशीन खरीदी। परिवार का खर्च चलाने के लिए कभी कोल्ड ड्रिंक और पानी की सप्लाई की, तो कभी छोटी-मोटी मजदूरी भी की। आज वही संघर्ष इस ऐतिहासिक कामयाबी में बदल गया।

आर्थिक तंगी के बावजूद परिवार ने कभी कार्तिक को क्रिकेट से दूर नहीं किया। पिता प्राइवेट ट्यूशन पढ़ाते हैं और कार्तिक ने भी अपने क्रिकेट किट और अभ्यास का खर्च निकालने के लिए बच्चों को ट्यूशन पढ़ाया। पढ़ाई और खेल दोनों में संतुलन बनाते हुए उन्होंने अपने सपने को आगे बढ़ाया। कार्तिक भरतपुर के दारापुर इलाके में पेट्रोल पंप के पास रहते हैं। मां राधा शर्मा गृहिणी हैं। दो छोटे भाई प्रिंस और अनमोल भी पढ़ाई और खेल में आगे बढ़ रहे हैं। परिवार का भरोसा और समर्थन हर कदम पर कार्तिक की ताकत बना। पिता ने कार्तिक के लिए 500 से ज्यादा गेंदें खरीदीं। रोजाना लगभग 150 किमी/घंटा की रफ्तार से आती गेंदबाजी से सिक्स मारने का अभ्यास कराया जाता था। यह अनोखी तैयारी ही उनके पावर-हिटिंग कौशल की नींव बनी।

श्रीधर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के फील्डिंग कोच नियुक्त

कोलंबो **(एजेंसी)**। श्रीलंका क्रिकेट ने अगले साल होने वाले पुरुष टी-20 विश्वकप तक के लिए आर श्रीधर को राष्ट्रीय टीम का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया है। बीसीसीआई लेवल 3 क्वालिफाइड कोच श्रीधर ने पहले 2014 से 2021 तक भारत की पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच के रूप में काम किया है।हाल ही में उन्होंने अफगानिस्तान टीम के साथ कंसल्टेंट कोच के तौर पर काम किया। अब वह श्रीलंका के फील्डिंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। वह पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों पर टीम के साथ मिलकर काम करेंगे और फिर टी-20 विश्व कप की तैयारियों की देखरेख करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार श्रीधर ने कहा, 'श्रीलंकाई खिलाड़ी हमेशा सहज प्रतिभा, लचीलेपन और सामूहिक भावना के लिए जाने जाते हैं। मेरा काम कोई सिस्टम थोपना नहीं है, बल्कि ऐसा माहौल बनाना है जहां खिलाड़ी क्षमता, जागरूकता और मैदान पर गर्व स्वाभाविक रूप से बढ़ सके।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग तब बेहतर होती है जब खिलाड़ी गेंद से, एक-दूसरे से और उस पल से जुड़ाव महसूस करते हैं। श्रीलंका की पारंपरिक ताकतें तेज हाथ, तेज रिफ्लेक्स और निडर इरादा, इन्हें वास्तविक, खेल जैसे सीखने के माहौल बनाकर और बेहतर बनाया जा सकता है।'

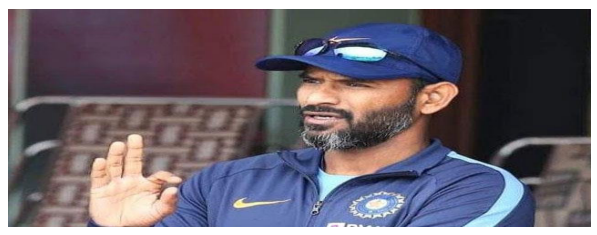

रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरा रुपया डॉलर के मुकाबले आज इतना हुआ मजबूत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रुपया बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में अपने अबतक के सबसे निचले स्तर से उबरने में कामयाब रहा और 55 पैसे चढ़कर 90.38 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। केंद्रीय बैंक के संभावित आक्रामक हस्तक्षेप से रुपया बढ़त में रहा। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में हाल की गिरावट मुख्य रूप से बाहरी कारकों के कारण हुई है, न कि घरेलू आर्थिक कमजोरी की वजह से। बदलते आर्थिक एवं भू-राजनीतिक संकेतों के बीच विदेशी मुद्रा बाजार में व्यापक अस्थिरता जारी रहने का अनुमान है।

अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में आशाजनक प्रगति न होने और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, जबकि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब रहने से घरेलू मुद्रा को निचले स्तर पर समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.05 पर खुला। इसके बाद इसने कुछ हद तक खोई हुई बढ़त हासिल की और 89.96 प्रति डॉलर के दिन के उच्च स्तर को छुआ जो पिछले बंद भाव से 97 पैसे की बढ़त दर्शाता है। अंत में रुपया 90.38 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 55 पैसे अधिक है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पहली बार 91 के स्तर को पार कर 91.14 प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। अंत में 90.93 पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''पांच सत्र की लगातार गिरावट के बाद भारतीय रुपया मजबूत हुआ है जिसे केंद्रीय बैंक के संभावित आक्रामक हस्तक्षेप से बल मिला है।'' परमार ने कहा कि आर्थिक और भू-राजनीतिक संकेतों से विदेशी मुद्रा बाजार में व्यापक अस्थिरता बने रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा, ''तकनीकी रूप से भारतीय रुपये को निचले स्तर 90.60 और ऊंचे स्तर 89.70 पर समर्थन प्राप्त है।''

अंपायर को अपना काम करने दो : सालों बाद रोहित ने खोला स्मिथ के साथ विवाद का राज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने सालों बाद 2014-15 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान स्टीव स्मिथ के साथ हुए हाईवोल्टेज ड्रामे का खुलासा किया है। यह वाकया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के चौथे दिन का है, जब मैदान पर अचानक माहौल गरमा गया था। रोहित शर्मा उस समय पार्ट-टाइम गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने स्टीव स्मिथ के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की जोरदार अपील की, लेकिन अंपायर ने उसे नकार दिया। इसके बाद स्मिथ अंपायर से सवाल करने लगे, जिसे देखकर रोहित भड़क गए। रोहित ने स्मिथ से कहा, 'तुम अंपायर से क्यों पूछ रहे हो? अंपायर को अपना काम करने दो, तुम बल्लेबाजी करो और हम अपना काम करेंगे।' इसी बात पर दोनों के बीच बहस तेज हो गई। रोहित के मुताबिक, इस नोकझोंक के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। डेविड वॉर्नर बीच में आ गए, उनके पीछे विराट कोहली भी पहुंचे। वहीं, चेतेश्वर पुजारा भी हडल में आए, हालांकि उन्होंने कुछ कहा नहीं और चुपचाप वापस चले गए। कुछ देर तक मैदान पर तीखी बहस का दौर चला, जिसके बाद मामला शांत हुआ। 2014-15 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी रोहित शर्मा के लिए खास नहीं रही थी। उन्होंने छह पारियों में 28.33 की औसत से 173 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक शामिल था। इसके उलट, स्टीव स्मिथ उस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़े सितारे साबित हुए। स्मिथ ने आठ पारियों में 128 की औसत से 769 रन ठोके, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल थे, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 192 रहा। सालों बाद सामने आई यह कहानी उस दौर की आक्रामक प्रतिस्पर्धा और मैदान पर दोनों टीमों के बीच मौजूद तीखे संघर्ष की झलक दिखाती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आई सकारात्मक खबर

आईएमएफ और केयरएज ने बताया कितनी रहेगी जीडीपी ग्रोथ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकती है। अक्टूबर में आईएमएफ के 6.6₹ के अनुमान से यह आंकड़ा थोड़ा अधिक है। उन्होंने बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 8.2₹ की वृद्धि दर दर्ज की है, जिससे सालाना जीडीपी वृद्धि लगभग 7₹ के करीब रहने की संभावना बढ़ गई है। गीता गोपीनाथ ने आगे कहा कि अगर भारत लगातार 20 साल तक 8₹ की वृद्धि दर बनाए रख सकता है, तो 2047 के आर्थिक लक्ष्यों के बहुत करीब पहुंच जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा और वर्तमान में भारत बेहतर आर्थिक प्रदर्शन कर रहा है।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5₹ रहने का अनुमान है, जबकि अगले वित्त वर्ष में यह नरम होकर 7₹ तक आ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपए की हालिया कमजोरी के बावजूद मुद्रा वर्ष 2026-27 में 89-90 रुपए प्रति डॉलर के दायरे में रह सकती है। केयरएज की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण, ब्याज दरों में नरमी और कर बोझ में कमी जैसे कारक आर्थिक वृद्धि को समर्थन देंगे। संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और पूंजीगत व्यय में सुधार भी वृद्धि दर को गति देंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु निर्यात में लगभग 1₹ की गिरावट आ सकती है, जबकि चालू खाते का घाटा और राजकोषीय घाटा क्रमशः 1₹ और 4.4₹ के आसपास रहने की संभावना है। कुल मिलाकर, दोनों स्रोतों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि के पथ पर है और अगले वित्त वर्षों में सतत सुधार और निवेश से यह रफ्तार और बढ़ सकती है।

कच्चे तेल की कीमतें 2021 के बाद सबसे निचले स्तर पर, भारत को मिल सकती है बड़ी राहत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ग्लोबल मार्केट में मंगलवार रात कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड करीब 2.8₹ टूटकर 58.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 55 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया। फरवरी 2021 के बाद यह पहला मौका है जब डब्ल्यूटीआई इस स्तर तक पहुंचा है। विश्लेषकों का मानना है कि यह गिरावट आने वाले दिनों में तेल की कीमतों में और कमजोरी का संकेत दे रही है।

तेल में इस भारी गिरावट के पीछे दो बड़ी वजहें मानी जा रही हैं–पहली, ग्लोबल मार्केट में ओवरसप्लाई और दूसरी, रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की बढ़ती उम्मीदें।

तेल उत्पादक देशों के बीच उत्पादन कटौती को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं, चीन और यूरोप में मांग कमजोर बनी हुई है, जबकि अमेरिका घरेलू उत्पादन लगातार बढ़ा रहा है। बढ़ती सप्लाई और कमजोर डिमांड के चलते कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। इसके अलावा अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार उम्मीद से ज्यादा रहने से भी बाजार को यह संकेत मिला है कि सप्लाई को लेकर फिलहाल कोई संकट नहीं है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता की संभावनाओं ने भी तेल की कीमतों पर असर डाला है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध विराम को लेकर बातचीत के संकेत मिल रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो वैश्विक सप्लाई नेटवर्क और मजबूत होगा, जिससे तेल की कीमतों में और गिरावट आ सकती है।

53 साल की सोफिया वेरगारा के प्यार का नया अध्याय!

39 वर्षीय बिजनेसमैन डगलस चैबॉट संग डेटिंग की पुष्टि, 'ते एमो' ने बताई प्रेम कहानी

एक्ट्रेस सोफिया वेरगारा ने अमेरिकी बिजनेसमैन डगलस चैबॉट के साथ अपने नए रोमांटिक रिश्ते की पुष्टि की है। यह घोषणा कई महीनों की अटकलों के बाद हुई है, जो कई बार पब्लिक में साथ देखे जाने के बाद शुरू हुई थीं। हालांकि, एक हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में अफवाहों को खत्म कर दिया।

53 साल की वेरगारा ने चैबॉट के साथ एक रेस्टोरेंट में ली गई एक तस्वीर शेयर की। इसके साथ 'ते एमो (मैं तुमसे प्यार करती हूं)' मैसेज भी था। इस पोस्ट से हफ्तों की पब्लिक की जिज्ञासा और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद क्लैरिटी मिली, जो 2025 के बीच से दोनों को जोड़ रही थीं। बताया जाता है कि 39 साल के चैबॉट दासैन इंक. में वाइस प्रेसिडेंट हैं, जो लग्जरी ज्वेलरी और हाई-एंड डिजाइन में स्पेशलाइज्ड कंपनी है। उन्होंने अपनी प्रोफाइल को काफी प्राइवेट रखा है, और मुख्य रूप से बिजनेस और चैरिटी के कामों में ही दिखते हैं।

इस कपल को पहली बार साल की शुरुआत में कई पब्लिक इवेंट्स में एक साथ देखा गया था, जिसमें पासाडेना में एक इवेंट और सर्डिनिया में एक बर्थडे सेलिब्रेशन शामिल था। इन इवेंट्स ने वेरगारा की पब्लिक पुष्टि से पहले उनके रिश्ते की प्रकृति के बारे में अटकलों को बढ़ाया।

एक्ट्रेस की रिलेशनशिप हिस्ट्री ने अक्सर मीडिया का ध्यान खींचा है। उन्होंने 2015 में एक्टर जो मैंगानिएलो से शादी की थी, और उनकी शादी लगभग एक दशक तक चली, जिसके बाद 2024 में उनका तलाक हो गया।

तलाक के बाद, वेरगारा कथित तौर पर बेवर्ली हिल्स में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. जस्टिन सैलिमन के साथ कुछ समय के लिए रिलेशनशिप में थीं। उनके रोमांस को भी इंस्टाग्राम के जरिए पब्लिक के साथ शेयर किया गया था, लेकिन कथित तौर पर 2025 की शुरुआत में यह खत्म हो गया। इसी दौरान, इ्थ खिलाड़ी टॉम ब्रैडी सहित अन्य संभावित रिश्तों के बारे में भी अफवाहें फैलीं, लेकिन एंटरटेनमेंट सोर्स ने इन्हें खारिज कर दिया।

चैबॉट के साथ वेरगारा की हालिया पोस्ट उनकी पर्सनल लाइफ को शेयर करने के लिए एक अधिक प्राइवेट तरीके की ओर बदलाव का संकेत देती है। इंटरव्यू या बयानों के जरिए अफवाहों का जवाब देने के बजाय, उन्होंने ऑनलाइन एक सीधा और सरल मैसेज देना चुना।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका : भारत को लगा झटका, बड़ा खिलाड़ी टी20 आई श्रृंखला से बाहर

लखनऊ **(एजेंसी)**। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की मौजूदा सीरीज में झटका लगा है। खराब फॉर्म से जूझ रहे बड़े प्लेयर को भारतीय उप-कप्तान शुभमन गिल अंगूठे की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो टी20 मैच (चौथा और पांचवां) नहीं खेल सकेंगे। जानकारी के मुताबिक गिल को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी और उनकी तुरंत रिकवरी के लिए सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। गिल की जगह संजू सैमसन पारी की शुरूआत कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में भारत अभी 2-1 से आगे है। पहले मैच में भारत ने जीत दर्ज की। दूसरे में साउथ अफ्रीका ने वापसी करते हुए जीत अपने नाम की। लेकिन तीसरे में फिर भारत ने बाजी मार ली थी। चौथा मैच लखनऊ के एकाना स्टेडियम में 7 बजे शुरू होना था जबकि टॉस 6.30 बजे था। लेकिन खराब मौसम के कारण टॉस देरी से हो रही है और मैच के फिलहाल शुरू होने की संभावना कम नजर आती है। टॉस में देरी की वजह 6.50 पर निरीक्षण किया गया जिसके बाद इसे बढ़ा कर 7.30 कर दिया गया। शुभमन गिल जुलाई 2024 के बाद से वह टी20 इंटरनेशनल में अर्धशतक तक नहीं लगा पाए। वह फिफ्टी भी जिम्बाब्वे के खिलाफ आई थी। गिल ने अभी तक 36 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं जिनमें 28.03 की औसत और 138.59 की स्ट्राइक रेट से 869 रन बनाए। गिल टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक शतक व तीन अर्धशतक लगा चुके हैं।

रोम में एमिली का नया जलवा! सीज़न 5 के साथ नेटफ्लिक्स पर 18 दिसंबर को नॉन-स्टॉप मनोरंजन का वादा

हॉलीवुड सीरिज एमिली इन पेरिस सीज़न 5 की रिलीज़ डेट, टाइम, शेड्यूल और देखने के तरीके की डिटेल्स अब नेटफ्लिक्स ने ऑफिशियली कन्फर्म कर दी हैं। यह पॉपुलर रोमांटिक कॉमेडी सीरीज़ पूरे सीज़न के साथ वापस आ रही है, जिसमें फैंस को एक साथ सभी दस एपिसोड मिलेंगे। नया सीज़न एक बड़ा लोकेशन चेंज, नए कैरेक्टर और एमिली के लिए नई चुनौतियाँ लेकर आएगा, क्योंकि उसकी कहानी पेरिस से आगे बढ़ रही है।

नेटफ्लिक्स ने कन्फर्म किया है कि एमिली इन पेरिस सीज़न 5 का प्रीमियर दुनिया भर में 18 दिसंबर, 2025 को होगा। यह शो स्टैंडर्ड नेटफ्लिक्स रिलीज़ पैटर्न को फॉलो करेगा। सभी रीजन के दर्शक अपने लोकल टाइम ज़ोन के हिसाब से एक ही समय पर सीज़न को स्ट्रीम कर पाएंगे। यह सीरीज़ सिर्फ़ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी, और इसे देखने के लिए वैलिड सब्सक्रिप्शन ज़रूरी है।

नेटफ्लिक्स के स्टैंडर्ड इंटरनेशनल लॉन्च फॉर्मेट के अनुसार, सभी दस एपिसोड एक साथ रिलीज़ किए जाएंगे, जिससे दर्शक शुरुआती रिलीज़ से ही पूरा सीज़न देख सकेंगे। इस पॉपुलर रोमांटिक कॉमेडी के फैंस इस सीज़न के लिए एक ही दिन में सभी एपिसोड रिलीज़ होने की उम्मीद कर सकते हैं, जो सीज़न चार के लिए इस्तेमाल किए गए दो-भाग वाले रिलीज़ फॉर्मेट से अलग है। नए सीज़न का कुल रनटाइम 275 मिनट है, जिसमें हर एपिसोड 31 से 38 मिनट के बीच का है। सीरीज़ देखने के लिए एक्टिव नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन की ज़रूरत होगी। एक साथ दुनिया भर में रिलीज़ होने का मतलब है कि अलग-अलग टाइम ज़ोन के दर्शक अपने क्षेत्र के अनुसार, एक ही समय पर शो स्ट्रीम कर पाएंगे। यह सीज़न 18 दिसंबर को प्रीमियर होगा। सीज़न पाँच के एपिसोड की लिस्ट में शामिल हैं: ला डोल्से एमिली, गॉट टू बी रियल, इंटिमिसिमी इश्यूज़, रोम हैज़ फॉलन, बोनजोर पेरिस!, द वन वेयर एमिली गोज़ टू द एम्बेसी, सेकंड चांसेस, फैशन स्टेटमेंट, ला बेले एपोक, और वेनी, विडी, वेनेज़िया। ये टाइटल नई सेटिंग और उन थीम को दिखाते हैं जिन्हें यह सीज़न एक्सप्लोर करेगा, जिससे कहानी की दिशा के बारे में पता चलता है। सीज़न पाँच एक बड़ा कहानी में बदलाव लाता है क्योंकि एमिली रोम में जीवन और काम के साथ तालमेल बिठाती है। नेटफ्लिक्स के एक ऑफिशियल सिनॉप्सिस के अनुसार, 'एमिली एजेंसी ग्रेटो के रोम ऑफिस को लीड करती है। उसे करियर और रिलेशनशिप में दिक्कतें आती हैं। एक काम का आइडिया फेल हो जाता है और दिक्कतें पैदा करता है।

शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट बैस्टियन के खिलाफ़ प्राथमिकी दर्ज, एक्ट्रेस से सभी आरोपों को बताया बेबुनियाद!

बेंगलुरु पुलिस ने एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट बैस्टियन के खिलाफ़ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि रेस्टोरेंट तय समय से ज़्यादा देर तक खुला रहता था और तय नियमों का उल्लंघन करके देर रात तक पार्टियां होती थीं। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, यह मामला कर्नाटक पुलिस एक्ट की धारा 103 के तहत खुद से शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, प्राथमिकी कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है, क्योंकि यह रेस्टोरेंट शहर में सेंट मार्क्स रोड पर स्थित है।

रेस्टोरेंट कथित तौर पर बंद होने के समय के बाद भी खुला रहा। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बैस्टियन कथित तौर पर 11 दिसंबर को सुबह 1.30 बजे तक खुला रहा, जो तय बंद होने के समय से काफी ज़्यादा था। इसके बाद, रेस्टोरेंट के मैनेजरों और स्टाफ के खिलाफ ऑपरेशनल नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में केस दर्ज किए गए। इसी सिलसिले में, पुलिस ने रेजिडेंसी रोड पर स्थित सोर बेरी पब के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। चल रही जांच के तहत, पब के स्टाफ सदस्यों सहित आठ लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। शिल्पा शेट्टी ने बुधवार को दो पब, जिसमें एक्टर के को-ओनरशिप वाला बैस्टियन गार्डन सिटी भी शामिल है, के खिलाफ दायर एक मामले पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन पर कथित तौर पर तय समय से ज़्यादा देर तक ऑपरेट करने का आरोप है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बेंगलुरु में चर्च स्ट्रीट के पास एक्टर शिल्पा शेट्टी के बैस्टियन पब पर छापा मारा। शिल्पा शेट्टी ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'हम फैलाए जा रहे बेबुनियाद और मनगढ़ंत आरोपों का साफ तौर पर खंडन करते हैं। जिन मुद्दों को उठाया जा रहा है, उन्हें बिना किसी कानूनी आधार के आपराधिक रंग दिया जा रहा है। माननीय हाई कोर्ट में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है और उस पर फैसला आना बाकी है ।' उन्होंने आगे कहा, 'जांच में पूरा सहयोग करने के बाद, हमें पूरा भरोसा है कि न्याय मिलेगा और हमें अपने देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और न्यायपालिका प्रणाली पर पूरा विश्वास है। हम मीडिया से सम्मानपूर्वक आग्रह करते हैं कि इस मामले में संयम बरतें क्योंकि मामला विचाराधीन है।'

बेंगलुरु पुलिस ने दो पब, जिसमें एक्टर शिल्पा शेट्टी के को-ओनरशिप वाला बैस्टियन गार्डन सिटी भी शामिल है, के खिलाफ कथित तौर पर तय समय से ज़्यादा देर तक ऑपरेट करने के लिए मामले दर्ज किए हैं।

बैस्टियन गार्डन सिटी को बिजनेसमैन रंजीत बिंद्रा द्वारा स्थापित बैस्टियन हॉस्पिटैलिटी चलाती है। खबरों के मुताबिक, शेट्टी ने 2019 में इस वेंचर में निवेश किया था और इस एस्टैब्लिशमेंट में उनकी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अलग से, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने चर्च स्ट्रीट के पास बैस्टियन आउटलेट पर छापा मारा। इस कार्रवाई के बारे में और जानकारी का इंतजार है।

सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी मामला

एसआईटी ने टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को सबरीमाला मंदिर में कथित सोने की चोरी के मामले में पूर्व सबरीमाला प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को गिरफ्तार किया। श्रीकुमार उस समय प्रशासनिक अधिकारी थे जब सबरीमाला अय्यप्पन मंदिर से सोने की थालियां ले जाई गईं और बाद में वापस लाई गईं। श्रीकुमार इन दोनों मामलों के सिलसिले में गिरफ्तार होने वाला सातवां व्यक्ति है। केरल उच्च न्यायालय ने इससे पहले श्रीकुमार की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि उन पर लगे आरोप सिद्ध हो चुके हैं। उन्हें बुधवार को एसआईटी कार्यालय में पूछताछ के लिए तलब किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

श्रीकुमार की गिरफ्तारी के बाद, त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) की पूर्व सचिव एस जयश्री पर भी इस मामले में गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। जयश्री की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई। न्यायालय ने कहा था कि यदि दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी से पहले जमानत दे दी जाती है, तो मंदिर से सोने की चोरी की पूरी जांच ठप हो जाएगी और प्रभावी जांच 'अर्थहीन' हो जाएगी। न्यायालय ने यह भी कहा था कि श्रीकुमार और जयश्री दोनों को अच्छी तरह पता था कि थालियां मूल रूप से सोने की परत चढ़ी हुई थीं, लेकिन उन्होंने उन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जिनमें उन्हें तांबे का बताया गया था।

अदालत द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारपालकों (संरक्षक देवताओं) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के सोने से मढ़े दरवाजों से गायब हुए दो मामलों की जांच कर रहा है। अब तक, एसआईटी ने टीडीबी के दो पूर्व अध्यक्षों और सीपीएम नेताओं ए पद्मकुमार और एन वासु सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्नीकृष्णन पोट्टी इस मामले में मुख्य आरोपी हैं, और बोर्ड के तत्कालीन अधिकारी मुरारी बाबू को भी गिरफ्तार किया गया है। 2019 में जब मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने टीडीबी को द्वारपालकों की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने का प्रस्ताव दिया, तो बाबू ने कथित तौर पर यह कहते हुए प्रस्ताव को बोर्ड को भेज दिया कि सोने की परत चढ़ी प्लेटें तांबे की बनी हैं।

पीएम से कोई नहीं पूछता कि वह कहां घूम रहे हैं?, राहुल गांधी की जर्मनी यात्रा का इमरान ने किया बचाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की जर्मनी यात्रा को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच, पार्टी नेता इमरान मसूद ने उनका बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कोई सवाल नहीं उठाता। मसूद ने कहा कि जॉर्डन के राजकुमार जैसे अंतरराष्ट्रीय नेताओं के साथ देखे जाने पर प्रधानमंत्री की प्रशंसा और महिमामंडन किया जाता है, जबकि राहुल गांधी को अपनी विदेश यात्राओं के लिए जांच और आलोचना का सामना करना पड़ता है। मसूद ने एएनआई से कहा कि कोई प्रधानमंत्री से नहीं पूछता कि वह कहां घूम रहे हैं? प्रधानमंत्री मोदी जॉर्डन के राजकुमार के साथ हैं और उनकी प्रशंसा की जा रही है, जबकि विपक्ष के नेता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। राहुल गांधी की पांच दिवसीय यात्रा की घोषणा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान की गई थी, जिसके चलते

भाजपा नेताओं ने व्यापक आलोचना की। उनका आरोप है कि उनकी बार-बार की यात्राएं भारतीय कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाती हैं।

बर्लिन हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) ने गांधीजी का गर्मजोशी से स्वागत किया। आईओसी की टीम ने उनका पुष्पांजलि अर्पित की और उनके आगमन पर सभी के चेहरे पर मुस्कान थी। इसी बीच, दिन में पहले, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत के 'गिरते' विनिर्माण क्षेत्र पर चर्चा की और बताया कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए भारत को उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है।

कांग्रेस नेता आलोक शर्मा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, गांधीजी बीएमडब्ल्यू कारखाने के अपने दौरे के बारे में बात करते हुए कहते हैं, 'हम बीएमडब्ल्यू कारखाने गए थे - शानदार अनुभव रहा - और मुझे विशेष रूप से यह देखकर खुशी हुई कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है, और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी। यह देखकर अच्छा लगा कि यहां भारतीय ध्वज लहरा रहा है।' वीडियो में गांधीजी ने आगे कहा, 'भारत को उत्पादन शुरू करने की जरूरत है। उत्पादन किसी भी देश की सफलता की कुंजी है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है; वास्तव में इसे बढ़ना चाहिए।'

राहुल, कांग्रेस महात्मा गांधी के आदर्शों के विरोधी, मनरेगा विवाद पर भाजपा के सीआर केसवन ने उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने बुधवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने का बचाव किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वे और उनकी पार्टी महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के 'विपरीत' हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा और ग्राम स्वराज के महात्मा गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

एएनआई से बात करते हुए केशवन ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के मामले में राहुल गांधी और कांग्रेस एक-दूसरे के विपरीत हैं। महात्मा गांधी ने राम राज्य का सपना देखा था, और कांग्रेस नेता भगवान राम का नाम तक लेने से कतराते हैं। यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा। यही वह कांग्रेस है जिसने सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर कर दावा किया था कि भगवान राम का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। महात्मा गांधी के बारे में बोलने का राहुल गांधी और कांग्रेस को क्या अधिकार है? केसवन ने कहा कि लोग राहुल गांधी के 'दिखावे' और 'पाखंड' को भलीभांति देख सकते हैं, और उन्होंने आगे कहा कि संशोधित कानून से श्रमिकों को कई गुना लाभ प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि यह परिवर्तनकारी विधेयक गारंटीकृत कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाता है, बेरोजगारी भत्ता प्रदान करता है, और सही मायने में सहकारी संघवाद का प्रतीक है। यह महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के दृष्टिकोण को साकार करता है, इसलिए हम इस सराहनीय पहल के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025, जिसे वीबी-जी राम-जी विधेयक भी कहा जाता है, पेश किया। इसका उद्देश्य दो दशक पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को प्रतिस्थापित करना है।

भारतीय सेना का अपमान, भाजपा पार्षद सादिनेनी यामिनी शर्मा ने पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर साधा निशाना

मुम्बई **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद सदस्य सादिनेनी यामिनी शर्मा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर की गई हालिया टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कांग्रेस से नेता के बयान के लिए माफी मांगने का आह्वान किया। ऑपरेशन सिंदूर के पहले दिन ही भारत की हार के बारे में चव्हाण की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा परिषद सदस्य ने कहा, 'ये टिप्पणियां केवल ऑपरेशन सिंदूर का अपमान नहीं हैं; ये भारतीय सेना, राष्ट्रीय सुरक्षा और धार्मिक आतंकवाद में अपने पतियों को खोने वाली महिलाओं का सीधा अपमान हैं। एएनआई से बात करते हुए शर्मा ने विपक्षी दल पर ऑपरेशन सिंदूर की अहमियत को न समझने और हमारे सैनिकों का अपमान करने, उन्हें नीचा दिखाने और जानबूझकर उनका मनोबल गिराने का आरोप लगाया। शर्मा ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि पहलगाम में क्या हुआ, जहां आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर पहचान करके 29 से अधिक हिंदू पुरुषों की बेरहमी से हत्या कर दी। इस बर्बर कृत्य के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इस ऑपरेशन के माध्यम से, हमारी सशस्त्र सेनाओं ने दुश्मन के ठिकानों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया।

भारत सरकार और सशस्त्र बलों के प्रति अपना समर्थन जताते हुए, भाजपा पार्षद ने एएनआई को बताया, 'ऐसे नाजुक क्षणों में, उन्हें (विपक्षी नेताओं को) केंद्र सरकार और सशस्त्र बलों के साथ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। इसके बजाय, वे बार-बार भारतीय सेना का मजाक उड़ाते हैं, उसका अपमान करते हैं और ऑपरेशन सिंदूर के तहत उसके वीर कार्यों पर सवाल उठाते हैं।

पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर भड़की भाजपा सांसद बृजलाल बोले- पाकिस्तान समर्थक है कांग्रेस

मुम्बई **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद बृज लाल ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के बयान की निंदा की और आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा से पाकिस्तान का साथ देती रही है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी लगातार देश को अपमानित करती रही है। भाजपा सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी विदेश यात्राओं के दौरान लगातार भारत का अपमान करते हैं। लाल ने एएनआई से कहा कि मैं इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। कांग्रेस पार्टी हमेशा से पाकिस्तान समर्थक रही है। इस कांग्रेस पार्टी ने हमेशा देश को अपमानित किया है। उनके नेता राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं, भारत का अपमान करते हैं... पूरा देश देख रहा है, और जनता कांग्रेस को सबक सिखाएगी। इसके अलावा, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने भी ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें चव्हाण ने दावा कयिा था कि ऑपरेशन के पहले ही दिन भारत को हार का सामना करना पड़ा और चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान भारतीय विमानों को मार गिराया गया। इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए केशवन ने आरोप लगाया कि चव्हाण की टिप्पणियां किसी घटिया पाकिस्तानी प्रवक्ता जैसी लगती हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और चव्हाण की टिप्पणियों के लिए माफी मांगने को कहा। केशवन ने एएनआई को बताया कि पृथ्वीराज चव्हाण ने एक घटिया पाकिस्तानी प्रवक्ता की तरह बकवास की है, जानबूझकर हमारी सेना को बदनाम किया है और विजय दिवस पर उसे भंग करने की बात कही है... राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ने पृथ्वीराज चव्हाण की निंदा क्यों नहीं की और उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? क्या वे उनके इस बेतुके बयान से सहमत हैं?... कांग्रेस की मानसिकता सेना विरोधी है... सुप्रीम कोर्ट ने सेना के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणियों के लिए उन्हें फटकार लगाई थी... चव्हाण के बयान को जनता न तो भूलेगी और न ही माफ करेगी... इस शर्मनाक टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए और उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

घुटनों पर आया कंगाल पाकिस्तान : पीआईए एयरलाइन 100 फीसदी बेचने का ऐलान, 23 दिसंबर को होगी नीलामी

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। भारत और अफगानिस्तान को युद्ध की धमकियां देने वाला पाकिस्तान खुद आर्थिक मोर्चे पर घुटनों पर आ चुका है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल बनी है पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए), जिसे अब सरकार पूरी तरह बेचने जा रही है। कंगाली की हालत यह है कि राष्ट्रीय एयरलाइन की 100 फीसदी हिस्सेदारी नीलाम करने का फैसला लेना पड़ा। पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुकी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) अब पूरी तरह निजी हाथों में जाने वाली है। पाकिस्तान सरकार ने घाटे में डूबी इस राष्ट्रीय एयरलाइन की पूरी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का ऐलान कर दिया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब सभी बोलीदाताओं ने साफ शर्त रख दी कि निजीकरण के बाद सरकार की कोई भूमिका स्वीकार नहीं होगी।

पीआईए की बोली 23 दिसंबर को लगाई जाएगी। शुरुआत में सरकार 75 प्रतिशत शेयर बेचने की तैयारी में थी, लेकिन अब सफल बोलीदाता को एक महीने के भीतर बाकी 25 प्रतिशत हिस्सेदारी भी 12 प्रतिशत प्रीमियम पर खरीदने का विकल्प दिया जाएगा। यह प्रीमियम इसलिए रखा गया है क्योंकि खरीदार को भुगतान एक साल बाद करने की छूट दी जाएगी।सरकारी सूत्रों के अनुसार, बोली की कुल रकम में से सरकार को सिर्फ 7.5 प्रतिशत नकद मिलेगा, जबकि 92.5 प्रतिशत राशि सीधे ईंर्ड में डाली जाएगी, ताकि एयरलाइन को दोबारा खड़ा करने की कोशिश की जा सके।

निजीकरण आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, चारों बोलीदाताओं ने सरकार के किसी भी हस्तक्षेप को सिरे से खारिज कर दिया। प्रमुख बोलीदाताओं में लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब ग्रुप, फौजी फर्टिलाइज़र (फौजी फाउंडेशन) और एयर ब्लू शामिल हैं।प्रधानमंत्री के निजीकरण सलाहकार मुहम्मद अली ने कहा कि पीआईए को पुराने गौरव तक पहुंचाने के लिए भारी निवेश, नए विमान और बेड़े का आधुनिकीकरण जरूरी है, जो मौजूदा हालात में सरकार के लिए संभव नहीं है।

निजीकरण से पहले सरकार ने पीआईए का 654 अरब पाकिस्तानी रुपये का कर्ज़ एक अलग होल्डिंग कंपनी में डाल दिया है, जिससे एयरलाइन अब 30 अरब रुपये की पॉजिटिव इक्विटी में दिखाई जा रही है। इसके बावजूद नए मालिकों को 26 अरब रुपये टैक्स और एयरपोर्ट शुल्क चुकाने होंगे। पीआईए के पास कुल 34 विमान हैं, जिनमें से सिर्फ 18 ही उड़ान के लायक हैं। हालांकि, 97 देशों के साथ एयर सर्विस एग्रीमेंट और कीमती लैंडिंग स्लॉट इसे निवेशकों के लिए अब भी एक अहम संपत्ति बनाते हैं। सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कानूनी सुरक्षा, सरकारी सहयोग और कुछ देनदारियों से छूट देने का भी वादा किया है।

पेरिस के अवार्ड समारोह में चीन की दादागिरी, ताइवान का झंडा दिखाने पर दूतावास कर्मियों ने किया हंगामा

पेरिस **(एजेंसी)**। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चाय प्रतियोगिता उस वक्त कूटनीतिक विवाद में बदल गई, जब चीनी दूतावास के कर्मचारियों ने ताइवान का नाम और झंडा दिखाए जाने पर पुरस्कार समारोह बाधित करने की कोशिश की। फ्रांस के पेरिस में आयोजित 'टीज़ ऑफ द वर्ल्ड इंटरनेशनल कॉन्टेस्ट' के पुरस्कार समारोह के दौरान चीनी दूतावास के कर्मचारियों ने हंगामा खड़ा कर दिया। यह घटना तब हुई, जब आयोजकों ने ताइवान का उल्लेख किया और रिपब्लिक ऑफ चाइना (ताइवान) का झंडा प्रदर्शित किया। ताइवान के ताइचुंग शहर के जुशिन टी फैक्ट्री के सीईओ ह्सीह चुंग-लिन को उनकी हुआगांग स्नो सोर्स टी के लिए विशेष पुरस्कार दिया जा रहा था।

इसी दौरान चीनी दूतावास के दो प्रतिनिधि खड़े हो गए और जोर-जोर से नारे लगाने लगे 'ताइवान

चीन का ही एक प्रांत है' और 'ताइवान चीन का हिस्सा है।'घटना का वीडियो सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी आलोचना शुरू हो गई। आयोजकों ने चीनी प्रतिनिधियों की इस हरकत को नजरअंदाज करते हुए समारोह जारी रखा, जबकि दर्शकों ने चीनी कर्मचारियों को हूट किया और ताइवान के प्रतिनिधि के समर्थन में तालियां बजाईं। समारोह के बाद आयोजित रात्रिभोज में ह्सीह चुंग-लिन ने कहा कि कई प्रतिभागियों ने उन्हें बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान ताइवान की भूमिका के चलते दुनिया में उसके प्रति सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि चीन की ऐसी हरकतें केवल नाराजगी और विरोध को ही जन्म देती हैं।

ताइवान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ह्सियाओ कुआंग-वेई ने चीन को अंतरराष्ट्रीय शिष्टाचार का पालन करने की सलाह देते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं बीजिंग को वैश्विक मंच पर मज़ाक का पात्र बना रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चीन को ताइवान के साथ सम्मानजनक और समान आधार पर संवाद करना चाहिए। गौरतलब है किंईर्ं (एजेंसी फॉर द वैलोराइजेशन ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में हर साल 700 से अधिक वैश्विक उत्पादक भाग लेते हैं। इस वर्ष अमेरिका, जापान और श्रीलंका के चाय उत्पादक भी प्रतियोगिता में शामिल थे।

चीन का ग्लोबल एनर्जी पावर में धमाका, समुद्र के खारे पानी से बना डाला बेहद सस्ता पेट्रोल !

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन ने ऊर्जा और जल संकट की दो वैश्विक समस्याओं का एक साथ समाधान पेश कर दुनिया को चौंका दिया है। शानडोंग प्रांत के रिजाओ शहर में स्थापित एक अत्याधुनिक फैक्ट्री समुद्र के खारे पानी को ग्रीन हाइड्रोजन (भविष्य का पेट्रोल) और पीने योग्य अल्ट्रा-प्योर पानी में बदल रही है। इस प्लांट की सबसे खास बात यह है कि यह पारंपरिक बिजली या ईंधन पर निर्भर नहीं है। फैक्ट्री को ऊर्जा मिलती है पास की स्टील और पेट्रोकेमिकल इकाइयों से निकलने वाली बेकार गर्मी (वेस्ट हीट) से, जिसे अब तक बेकार समझकर छोड़ दिया जाता था। यही वजह है कि इसकी उत्पादन लागत बेहद कम हो गई है।

इस तकनीक को विशेषज्ञ 'वन इनपुट, थ्री आउटपुट' मॉडल कह रहे हैं। इसमें इनपुट के रूप में समुद्र का खारा पानी और इंडस्ट्रियल वेस्ट हीट का इस्तेमाल होता है, जबकि आउटपुट में तीन उपयोगी चीजें मिलती हैं। पहला, हर साल लगभग 450 क्यूबिक मीटर साफ पीने योग्य पानी, जिसका इस्तेमाल घरेलू और औद्योगिक दोनों जरूरतों के लिए किया जा सकता है। दूसरा, सालाना करीब 1, 92, 000 क्यूबिक मीटर ग्रीन हाइड्रोजन, जो स्वच्छ ईंधन के रूप में इस्तेमाल होती है। तीसरा, करीब 350 टन खारा घोल (ब्राइन), जिसे समुद्री केमिकल्स बनाने में प्रयोग किया जाता है।

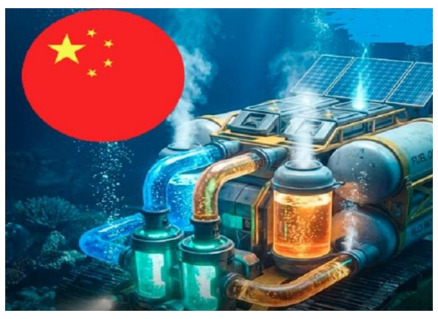

इस तरह इस फैक्ट्री में कुछ भी बेकार नहीं जाता। हर उत्पाद का दोबारा उपयोग होता है, जिससे पर्यावरण पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ता। लागत की बात करें तो समुद्र के पानी को पीने लायक बनाने में सिर्फ 2 युआन यानी लगभग 24 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर खर्च आ रहा है। यही कारण है कि इस तकनीक को अमेरिका और सऊदी अरब जैसी उन्नत तकनीकों से भी आगे माना जा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन इतना है कि उससे 100 बसें लगभग 3, 800 किलोमीटर तक चल सकती हैं। समुद्र से घिरे देशों के लिए यह तकनीक भविष्य में पानी की कमी और स्वच्छ ऊर्जा संकट का स्थायी समाधान बन सकती है।

चीन के 'अंग तस्करी ट्रेड' पर भड़का दुनिया का गुस्सा

कार्रवाई के लिए चलाया विशेष अभियान, लाखों लोगों ने किए हस्ताक्षर

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन पर मानवाधिकार उल्लंघन का दबाव तेज हो गया है। जबरन अंग निकासी जैसे जघन्य अपराध के खिलाफ दुनिया भर से आधे मिलियन से अधिक लोगों ने जी7 देशों से सख्त कार्रवाई की मांग की है। दुनिया भर के 5 लाख से अधिक लोगों ने एक अंतरराष्ट्रीय याचिका पर हस्ताक्षर कर चीन में जबरन अंग निकासी (जबरन अंग निकालना)के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह जानकारी द एपॉक टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है। डीएएफओएच ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान जून 2026 तक एक मिलियन हस्ताक्षर जुटाने के लक्ष्य के साथ जारी रहेगा।यह याचिका डॉक्टर्स अगेंस्ट फोर्स्ड ऑर्गन हार्वेस्टिंग (डीएएफओएच) और इंटरनेशनल कोएलिशन टू एंड ट्रांसप्लांट एब्यूज इन चाइना द्वारा जुलाई 2024 में शुरू की गई थी। 15 दिसंबर 2025 तक 34 देशों में 5, 05, 970 लोग इस याचिका का समर्थन कर चुके हैं। इस अभियान का उद्देश्य जी7 देशों– अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और ब्रिटेन सहित भारत, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल, अर्जेंटीना, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया और ताइवान की सरकारों पर दबाव बनाना है, ताकि वे चीनी कम्युनिस्ट सरकार के खिलाफ ठोस कदम उठाएं।

रिपोर्ट के अनुसार, यह अमानवीय अपराध विवेकाधीन कैदियों को निशाना बनाता है, जिनमें फालुन गोंग अनुयायी, उइगर मुसलमान और अन्य धार्मिक-जातीय अल्पसंख्यक शामिल हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)